सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

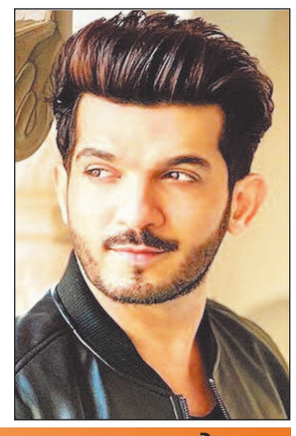

लवलीना और अरुंधति की अगुवाई में भारत ने 9 गोल्ड जीत पेज: 7

लंबे वर्किंग आवर्स पर अर्जुन बिजलानी का खुलासा पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 300 | सोमवार 09 फरवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

अशोक गहलोत का भाजपा पर बड़ा हमला, 'न्याय में देरी' और 'आरोपियों के संबंधों' पर उठाए सवाल

राजस्थान एजेंसी: राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने उदयपुर के चर्चित कन्हैयालाल हत्याकांड को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। गहलोत ने रविवार को आरोप लगाया कि वर्ष 2022 में हुई इस नृशंस हत्या के आरोपी भाजपा से जुड़े हुए थे, और इसी कारण मामले के "सीधा और स्पष्ट" होने के बावजूद चार साल बाद भी पीड़ित परिवार न्याय के लिए भटक रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान पुलिस ने घटना के कुछ ही घंटों के अंदर आरोपियों को गिरफ्तार कर त्वरित कार्रवाई की थी, जिसके बाद केंद्र सरकार ने मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी। उन्होंने कहा, 2022 से 2026 तक कन्हैयालाल का परिवार न्याय की प्रतीक्षा कर रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्होंने कई बार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मामले की स्थिति और आरोपियों को सजा दिलाने के बारे में पूछा, लेकिन उन्हें

'एक-दूसरे से जुड़ी है भारत-मलेशिया की समृद्धि' : पीएम मोदी और अनवर इब्राहिम के बीच उच्च स्तरीय वार्ता, कई अहम समझौते हुए

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय मलेशिया यात्रा के दूसरे दिन भारत और मलेशिया के बीच रिश्तों का एक नया अध्याय शुरू हुआ। प्रधानमंत्री मोदी और उनके मलेशियाई समकक्ष अनवर इब्राहिम के बीच रविवार को प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई, जिसमें दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि नई दिल्ली और कुआलालंपुर की समृद्धि एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि भारत और मलेशिया दो महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसी हैं, और वैश्विक अस्थिरता के बीच उन्हें अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि उनकी दो दिवसीय यात्रा का मुख्य संदेश भारत और मलेशिया के बीच हर संभव क्षेत्र में सहयोग का विस्तार करना है, और उन्होंने

इब्राहिम को उनके आगमन पर मिले शानदार स्वागत के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि मलेशिया में लगभग तीन मिलियन भारतीय मूल के लोग रहते हैं, जो दोनों देशों के बीच एक 'जीवित पुल' हैं। अपनी टिप्पणी में, PM मोदी ने एसोसिएशन ऑफ साउथईस्ट एशियन नेशंस (आसियान) की सफल अध्यक्षता के लिए इब्राहिम को बधाई दी, और कहा कि कुआलालंपुर के सहयोग से यह मंच और मजबूत होगा। समाचार एजेंसी ANI के अनुसार, भारतीय नेता ने कहा, "आज, हमारा सहयोग कृषि और विनिर्माण से लेकर स्वच्छ ऊर्जा और सेमीकंडक्टर तक हर क्षेत्र में गहरा हो रहा है।" हम कौशल विकास और क्षमता निर्माण में भी महत्वपूर्ण भागीदार हैं। हमारा रक्षा और सुरक्षा सहयोग भी लगातार मजबूत हो रहा है। दोनों नेताओं के बीच बातचीत के बाद, भारत और मलेशिया ने कई टड्डव (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए, जिसमें इब्राहिम ने कहा कि नई दिल्ली ने वैश्विक व्यापार और आर्थिक मोर्चे पर शानदार वृद्धि दर्ज की है। एक

प्रधानमंत्री मोदी और उनके मलेशियाई समकक्ष अनवर....

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय मलेशिया यात्रा के दूसरे दिन भारत और मलेशिया के बीच रिश्तों का एक नया अध्याय शुरू हुआ। प्रधानमंत्री मोदी और उनके मलेशियाई समकक्ष अनवर इब्राहिम के बीच रविवार को प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई।

संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, मलेशियाई प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देश व्यापार, निवेश, कनेक्टिविटी और रक्षा में अपने बीच सहयोग का विस्तार करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि ये MoU भारत और मलेशिया के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण थे, जिनके 1957 से लंबे समय से संबंध हैं। इब्राहिम ने कहा कि दोनों पक्ष आतंकवाद विरोधी, खुफिया जानकारी साझा करने और समुद्री सुरक्षा में भी सहयोग मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा, "मुझे इस अवसर पर PM मोदी को दुनिया भर में सभी शांति प्रयासों का समर्थन करने की उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता के लिए अपना सम्मान और धन्यवाद व्यक्त करना चाहिए, चाहे वह यूक्रेन, रूस या मध्य पूर्व के मामले में हो, विशेष रूप से गाजा में, शांति प्रक्रिया का समर्थन करने की उनकी प्रतिबद्धता स्पष्ट है और निश्चित रूप से इसलिए मुझे अपनी प्रशंसा व्यक्त करनी चाहिए।" भारत, मलेशिया रक्षा सहयोग को और ज्यादा व्यापक बनाएंगे प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि भारत और मलेशिया रक्षा सहयोग को और ज्यादा व्यापक बनाएंगे, और दुनिया के लिए इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के महत्व पर भी जोर दिया। इसके अलावा, दोनों देश सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , डिजिटल टेक्नोलॉजी और स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में भी अपनी साझेदारी का विस्तार करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ASEAN की केंद्रीयता को बहुत प्राथमिकता देता है। उन्होंने कहा कि भारत और मलेशिया का मानना है कि दुनिया की मौजूदा चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक संस्थानों में सुधार जरूरी है। इसके अलावा, आतंकवाद से निपटने में कोई दोहरा मापदंड नहीं हो सकता, उन्होंने यह भी कहा।

यूपी की अर्थव्यवस्था को लगेंगे पंख... सीएम योगी आदित्यनाथ ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को बताया 'गेम चेंजर'

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत और अमेरिका के बीच हुए द्विपक्षीय व्यापार समझौते का पुरजोर स्वागत किया है। शनिवार देर रात जारी एक आधिकारिक बयान में मुख्यमंत्री ने इस समझौते को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व" का प्रतिफल बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रस्तावित टैरिफ (शुल्क) रूपरेखा से उत्तर प्रदेश की निर्यात-आधारित अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मदद मिलेगी। एक आधिकारिक बयान में मुख्यमंत्री ने कहा कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत प्रस्तावित भारत-अमेरिका शुल्क (टैरिफ) रूपरेखा राज्य की निर्यात-आधारित अर्थव्यवस्था को उल्लेखनीय रूप से मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि इससे लघु एवं

मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और श्रम-प्रधान उद्योगों को संरचनात्मक सहयोग मिलेगा तथा निवेश और रोजगार के दीर्घकालिक अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह रूपरेखा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत और दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है और किसानों के हितों तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रक्षा करते हुए भारतीय निर्यातकों के लिए वैश्विक अवसरों का विस्तार करेगा। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह पहल मेक इन इंडिया को मजबूती देने के साथ-साथ महिलाओं और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित करेगी। उन्होंने इस समझौते को आगे बढ़ाने में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के प्रयासों की सराहना करते हुए उनका आभार भी व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत जारी संयुक्त बयान ने उत्तर प्रदेश की निर्यात-आधारित अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण नीतिगत संकेत दिया है। उन्होंने कहा कि इस समझौते का प्रभाव केवल व्यापारिक आंकड़ों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कपड़ा उद्योग, लेदर, कृषि-आधारित उद्योग, एमएसएमई और औद्योगिक विनिर्माण जैसे उन क्षेत्रों पर भी पड़ेगा, जिनमें उत्तर प्रदेश की भागीदारी राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख है। योगी आदित्यनाथ ने कहा, वैश्विक स्तर पर हस्तनिर्मित कालीनों के लिए प्रख्यात भदोही-मिजार्पुर कालीन निर्माण क्षेत्र लंबे समय से ऊंचे आयात शुल्क के कारण अमेरिकी बाजार में मूल्य प्रतिस्पर्धा की चुनौती झेल रहा था।

जनसंख्या पर मोहन भागवत का बड़ा बयान, बोले- देश के संतुलन के लिए जरूरी हैं 3 बच्चे

नई दिल्ली एजेंसी: आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को देश के कई जरूरी मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि भारत को मजबूत बनाने के लिए सिर्फ सरकार ही नहीं, बल्कि आम जनता और समाज को भी जागरूक होना पड़ेगा। परिवार को लेकर क्या सलाह दी? जनसंख्या के मुद्दे पर मोहन भागवत ने कहा कि समाज को संतुलित रखने के लिए परिवारों में तीन बच्चों का होना जरूरी है। उन्होंने इसके पीछे पुराने अनुभवों और सेहत से जुड़े कारणों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि शादी सिर्फ दो लोगों का मामला नहीं है, बल्कि समाज के प्रति एक जिम्मेदारी भी है। भागवत जी ने आबादी के बिगड़ते संतुलन के तीन बड़े कारण बताए, जिनमें बच्चों के जन्म की

दर, धर्म परिवर्तन और बाहर से आने वाले घुसपैठिए शामिल हैं। उन्होंने लोगों से कहा कि अगर उन्हें कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखे तो तुरंत पुलिस को जानकारी दें। सिर्फ जीडीपी से देश अमीर नहीं होता देश की आर्थिक स्थिति पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमें सिर्फ जीडीपी के आंकड़ों को देखकर खुश नहीं होना चाहिए। जीडीपी से सिर्फ सामान के आने-जाने का पता चलता है, लेकिन इससे यह नहीं पता चलता कि हर व्यक्ति कितना खुशहाल है। उन्होंने कहा कि हमारा रुपया तभी मजबूत होगा जब हम अपने देश में बनी चीजों की क्वालिटी और उत्पादन पर ज्यादा ध्यान देंगे। क्या आरएसएस सरकार चलाता है? अक्सर लोग कहते हैं कि आरएसएस पर्दे के पीछे से सरकार को कंट्रोल करता है। इस पर भागवत जी ने साफ किया कि जो लोग सरकार में बैठे हैं, वही उसे चला रहे हैं। हम पीछे से बैठकर ड्राइविंग नहीं करते। हां, जब भी सरकार को देश की भलाई के लिए हमारी जरूरत होगी, हम साथ देने के लिए हमेशा तैयार हैं। भागवत ने लोगों से एकता की अपील हाल ही में दिल्ली में हुए धमाके का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सिर्फ पुलिस और खुफिया विभाग के भरोसे रहना ठीक नहीं है। आम नागरिकों को भी अपनी आंखें और कान खुले रखने होंगे। उन्होंने कहा कि हमें 'मुझे क्या लेना-देना' वाली सोच छोड़नी होगी। साथ ही, उन्होंने बांग्लादेश के हिंदुओं का जिक्र करते हुए कहा कि अगर दुनिया भर के हिंदू एक हो जाएं तो वे अपनी समस्याओं का हल खुद निकाल सकते हैं।

फिल्म 'घूसखोर पंडत' पर भड़के अखिलेश यादव, भाजपा पर लगाया 'समाज को अपमानित' करने का आरोप

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नई फिल्म को लेकर उबाल आ गया है। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि भाजपा एक सोची-समझी साजिश के तहत विशिष्ट समाजों को लक्षित कर उन्हें अपमानित करने का काम कर रही है। यह विवाद ओटीटी पर रिलीज होने वाली फिल्म/वेब सीरीज घूसखोर पंडत को लेकर है, जिसके शीर्षक और सामग्री पर ब्राह्मण समाज को अपमानित करने के आरोप लग रहे हैं। माना जा रहा है कि यादव ने यह टिप्पणी ओटीटी पर रिलीज होने वाली फिल्म घूसखोर पंडत के संदर्भ में की है। हालांकि उन्होंने प्रत्यक्ष रूप से फिल्म के नाम का जिक्र नहीं किया है। राजधानी लखनऊ की हजरतगंज कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को फिल्म/वेब सीरीज घूसखोर पंडत के निदेशक और उनकी टीम के खिलाफ एक

जाति विशेष (ब्राह्मण) को अपमानित करने और वैमनस्यता फैलाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की थी। सपा अध्यक्ष यादव ने कहा कि वर्तमान में जिस फिल्म को लेकर मुद्दा बना है, उसके नाम का उल्लेख करना भी संभव नहीं है क्योंकि फि ल्म का शीर्षक केवल आपत्तिजनक नहीं, बेहद अपनानजनक भी है। उन्होंने कहा कि उस फि ल्म का नाम लिखने से भाजपा का उस समाज का तिरस्कार करने का उद्देश्य और भी अधिक पूरा होगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा,भाजपा हमेशा से ये षड्यंत्र करती है कि वो किसी समाज के कुछ लोगों का दुरुपयोग, उसी समाज के खिलाफ करती है। इससे वो किसी समाज विशेष को लक्षित, चिह्नित , टारगेट करके अपमानित-आरोपित करती है। उन्होंने आरोप लगाया, भाजपा कभी ये काम बयानबाजी से करती है और कभी बैठकों पर नोटिस देकर, कभी अपना पैसा लगाकर विज्ञापन, प्रचार सामग्री या फि ल्म बनवाकर। और जब विवाद बढ़ जाता है तो गिरगिट की तरह रंग बदलकर घड़ियाली आंसू बहाती है और दिखावे के लिए

हिमंत के पाकिस्तान वाले आरोप पर गौरव गोगोई का पलटवार, सीएम की पीसी को बताया 'सुपर फ्लॉप'

असम एजेंसी: असम कांग्रेस के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के आरोपों को पूरी तरह से 'बेतुका और झूठा' करार दिया है। गोगोई ने मुख्यमंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस का मजाक उड़ाते हुए उसे 'सी-ग्रेड सिनेमा' से भी बदतर और 'सुपर फ्लॉप' बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने ढाई घंटे तक मीडिया से बात की, लेकिन फिर भी कोई उनकी बातों से संतुष्ट नहीं हुआ और उन्होंने खुद को ही शर्मिंदा किया है। जमीन घोटाले का लगाया आरोप गौरव गोगोई ने मुख्यमंत्री पर पलटवार करते हुए भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस की 'परिवर्तन यात्रा' ने मुख्यमंत्री और उनके परिवार द्वारा कब्जा की गई 12,000 बीघा कीमती जमीन का पदार्फाश किया है। गोगोई ने वादा किया कि जब कांग्रेस सत्ता में आएगी, तो वह इस जमीन को वापस लेकर गरीबों और भूमिहीनों के बीच बांट देगी। गोगोई ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि असम में अब कोई भी मुख्यमंत्री की बातों को गंभीरता से नहीं ले रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को पाकिस्तान की फर्जी कहानियां सुनाने के बजाय यह बताना चाहिए कि उनके परिवार ने इतनी बड़ी मात्रा में जमीन कैसे हासिल की। मुख्यमंत्री ने क्या आरोप लगाए थे? इससे पहले, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में गौरव गोगोई पर बेहद गंभीर आरोप लगाए थे।

उन्होंने दावा किया कि गोगोई, उनकी पत्नी और एक पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख के बीच 'गहरे संबंध' हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि गोगोई ने 2013 में पाकिस्तान की एक 'गोपनीय यात्रा' की थी, जहां उन्होंने किसी प्रकार की ट्रेनिंग ली थी

फरीदाबाद के सूरजकुंड मेले में मातम, जान बचाते हुए पुलिस इंस्पेक्टर शहीद, सीएम सैनी ने किया मदद का ऐलान

चंडीगढ़ एजेंसी: हरियाणा के मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी ने रविवार को सूरजकुंड मेले में हुए हादसे पर गहरा दुख जताया। उन्होंने इस हादसे में जान गंवाने वाले पुलिस इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद की बहादुरी की तारीफ की और उनके परिवार को हर संभव मदद देने का भरोसा दिया। कैसे हुआ यह दर्दनाक हादसा? शनिवार की शाम सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले में खुशियों का माहौल तब मातम में बदल गया जब 'सुनामी' नाम का एक झूला अचानक टूट गया। उस वक्त झूले पर करीब 19 लोग सवार थे। झूला हवा में ही एक तरफ झुक गया और फिर सीधा जमीन पर आ गिरा। इस हादसे में कई लोग घायल हुए और राहत कार्य के दौरान एक पुलिस अधिकारी की जान चली गई। कौन थे जगदीश प्रसाद? पलवल में तैनात इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद मेले में ड्यूटी पर थे। जैसे ही झूला गिरा, उन्होंने अपनी जान की परवाह किए

बिना अंदर फंसे लोगों को निकालने की कोशिश शुरू कर दी। इसी दौरान वे गंभीर रूप से घायल हो गए और अस्पताल में उन्होंने दम तोड़ दिया। जगदीश प्रसाद 1989 में पुलिस में भर्ती हुए थे। 36 साल की सेवा के बाद वे इसी साल मार्च में रिटायर होने वाले थे। मुख्यमंत्री सैनी ने क्या कहा? मुख्यमंत्री सैनी ने बताया कि हादसे की खबर मिलते ही पर्यटन मंत्री और बड़े अधिकारियों को मौके पर भेजा गया था। उन्होंने कहा कि शहीद इंस्पेक्टर के परिवार को आर्थिक सहायता और सुरक्षा दी जाएगी।

पुलिस ने अब तक क्या कार्रवाही की पुलिस ने झूला चलाने वाले (संचालक) और उसके कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के खिलाफ 'गैर-इरादतन हत्या' (धारा 105) का केस दर्ज किया गया है। मामले की गहराई से जांच के लिए एक विशेष जांच टीम बनाई गई है।

प्राइवेट चार्टर प्लेन क्रैश ! इंजन फेल होने के बाद खेतों में करनी पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली एजेंसी: कर्नाटक के विजयपुरा जिले से रविवार (8 फरवरी, 2026) को एक बड़े विमान हादसे की खबर सामने आई है। रेडबर्ड एविएशन का एक छोटा ट्रेनिंग विमान तकनीकी खराबी के बाद बालेश्वर तालुक के मंगलुरु गांव में क्रैश हो गया। इस दुर्घटना में विमान के परखच्चे उड़ गए, लेकिन चमत्कारिक रूप से इसमें सवार दोनों पायलटों की जान बच गई। कैसे हुआ हादसा? विमान ने कलबुर्गी से बेलगावी के लिए एक नियमित ट्रेनिंग उड़ान भरी थी। उड़ान के दौरान जब विमान मंगलुरु गांव के ऊपर था, तभी उसके इंजन में अचानक तकनीकी खराबी आ गई। कैप्टन और ट्रेनी पायलट ने हवा में ही इंजन को फिर से शुरू करने की कोशिश की, लेकिन इंजन पूरी तरह फेल हो गया। विमान तेजी से ऊंचाई खोने लगा और पायलटों को आबादी वाले इलाके से दूर एक खुले खेत में इमरजेंसी लैंडिंग करने का कठिन फैसला लेना पड़ा। चश्मदीदों के अनुसार, विमान को नीचे गिरते देखना एक खौफनाक मंजर था। विमान के अंदर का अनुभव और जमीन पर असर खराब हो रहे रेडबर्ड विमान में, कैप्टन और ट्रेनी ने खराब इंजन को ठीक करने की व्यर्थ कोशिश की, लेकिन उनकी सूझबूझ से शायद एक बड़ा हादसा टल गया। विमान इतनी तेजी से

जमीन से टकराया कि दोनों यात्रियों को गंभीर चोटें आईं, फिर भी चमत्कारिक रूप से उनकी जान बच गई - इस घटना में कोई मौत नहीं हुई। धूल और मलबा हवा में फैल गया, जैसे ही स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़े, उनकी चीखें मुड़े हुए धातु की आवाज के साथ मिल गईं। कुछ ही मिनटों में, 108 एम्बुलेंस घटनास्थल पर पहुंची, और खून से लथपथ पायलटों को गंभीर इलाज के लिए विजयपुरा के सबसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने अफरा-तफरी के बीच उन्हें स्थिर किया। तेज पुलिस

कर्नाटक के विजयपुरा जिले से रविवार (8 फरवरी, 2026) को एक बड़े विमान हादसे की खबर सामने आई है। रेडबर्ड एविएशन का एक छोटा ट्रेनिंग विमान तकनीकी खराबी के बाद बालेश्वर तालुक के मंगलुरु गांव में क्रैश हो गया।

कार्रवाई और पहली आधिकारिक जानकारी बालेश्वर पुलिस लगभग तुरंत ही दुर्घटनास्थल पर पहुंच गई, गांव में बिखरे मलबे को सुरक्षित किया और शुरूआती जांच शुरू की। जांच अधिकारी ने शुरूआती जानकारी देते हुए कहा, यह रेड बर्ड एविएशन का एक प्राइवेट विमान है। यह कलबुर्गी से बेलगावी जा रहा था, तभी इंजन में तकनीकी खराबी आ गई और अचानक क्रैश हो गया। विमान में दो लोग सवार थे, जिनकी पहचान कैप्टन और एक ट्रेनी पायलट के रूप में हुई है। दोनों को इस घटना में गंभीर चोटें आई हैं और उन्हें आगे के इलाज के लिए सबसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आगे की जांच जारी है।ह्व यह बताता है कि मैकेनिकल खराबी ही मुख्य कारण है, और अब लॉग, मौसम डेटा और रखरखाव के इतिहास की गहराई से जांच की जा रही है। क्षेत्रीय विमानन में जोखिम की गूंज यह विजयपुरा घटना भारत के विशाल इलाकों में छोटी उड़ानों में छिपे खतरों की एक कड़ी याद दिलाती है, जहाँ ट्रेनिंग विमान रोजाना सीमाओं को पार करते हैं। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) की देखरेख में जांच तेज होने के साथ ही, रेडबर्ड के रखरखाव के मानकों और ग्रामीण दुर्घटना स्थलों की खतरनाक प्रकृति के बारे में सवाल उठ रहे हैं। पायलटों का ज़िंदा बचना थोड़ी उम्मीद जगाता है, लेकिन यह कर्नाटक के आसमान में सामान्य स्थिति और तबाही के बीच बहुत कम अंतर को दिखाता है, और इस बात का पूरा खुलासा होने का इंतजार है कि असल में रेडबर्ड को किसने जमीन पर उतारा।

संपादकीय

दिल्ली के लापता लोग

पिछले दिनों इस खबर ने दिल्ली और देश के लोगों को चौंकाया कि इस साल जनवरी माह में ही देश की राजधानी में 800 लोग लापता पाए गए, जिसमें महिला, बच्चे व अन्य वयस्क भी शामिल हैं। जैसा कि स्वाभाविक था दिल्ली में लापता लोगों का आंकड़ा सामने आने के बाद आम लोगों में चिंता व्याप्त हो गई। प्रशासनिक स्तर पर भी इस समस्या की ओर अधिकारियों का ध्यान गया। बेलगाम सोशल मीडिया पर तो इन आंकड़ों पर अपनी-अपनी सुविधा और राजनीतिक हितों के मद्देनजर व्याख्या और बयानबाजी सामने आने लगी। पब्लिक फोरम पर कहा जाने लगा कि यह दिल्ली की कानून व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह है। इन आंकड़ों के सामने आने के बाद घर से निकलने के बाद सुरक्षा इंतजामों को लेकर तमाम तरह की सलाहें दी जाने लगीं। कुछ लोग देश के सिस्टम पर सवाल खड़े करने लगे। कुछ लोगों में भय से जुड़ी प्रतिक्रिया भी सामने आई। लेकिन इस बाबत दिल्ली पुलिस द्वारा जारी आंकड़े भी अधिक चिंता बढ़ाने वाले नजर आए। प्रथम दृष्टया यह खबर परेशान करने वाली है, लेकिन पड़ताल में पाया गया कि यह स्थिति पिछले कुछ सालों के आंकड़ों के ही अनुरूप है। अगर हम पिछले कुछ सालों के आंकड़ों पर नजर डालें तो यह स्थिति की पुनरावृत्ति ही है। लेकिन यदि बीते कुछ सालों में लापता होने वाले लोगों की संख्या पर नजर डालें तो कहा जाता है कि इस साल जनवरी में सामने आई लापता लोगों की संख्या ज्यादा नहीं है। इस बाबत दिल्ली पुलिस का कहना है कि जनवरी 26 में कुल 1,777 लोगों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। प्रथम दृष्टया यह संख्या भले ही बढ़ी लगे, लेकिन जब पिछले दो सालों के आंकड़ों से इसकी तुलना की जाती है तो नई तस्वीर उभरती है। दरअसल, इन आंकड़ों की तह में जाएं तो दिल्ली का विशाल इलाका व सघन जनसंख्या घनत्व भी इसके मूल में है। दरअसल, एक बड़ी आबादी रोजगार व अन्य कार्यों के लिए दिल्ली आती-जाती रहती है। दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के अनुसार साल 2024 में करीब 24,893 लोग लापता हुए थे। यानी एक माह में औसतन 2,074 लोग। वहीं साल 2025 में ये संख्या 24,508 लोग लापता हुए। अर्थात? हर माह 2,042 लोग गुम हुए। इस दृष्टि से जनवरी, 26 का आंकड़ा इस संख्या से कम है। सवाल है कि 2026 के पहले माह के आंकड़ों को लेकर भय क्यों व्याप्त हुआ? दरअसल, पहले पंद्रह दिनों के आंकड़ों के हिसाब से दिल्ली में हर रोज 54 लोग लापता हो रहे थे। इन आंकड़ों के सामने आने के बाद लोगों ने इसके मूल में किसी संकट को देखा। दिल्ली पुलिस के अनुसार ये आंकड़े स्थायी गुमशुदगी के नहीं होते। कुछ लोग अल्पकाल के लिए कहीं चले जाते हैं और देर रात तक घर भी लौट आते हैं। पुलिस का यह भी कहना है कि राष्ट्रीय राजधानी में ऑनलाइन और ऐप आधारित सिस्टम के जरिये लोग जल्दबाजी में अपने परिजनों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज करा देते हैं।

चिंतन-मनन

समय का चक्र

जब तुम्हें लगता है कि समय बहुत कम है, तुम या तो बेचैन होते हो या अत्यन्त सजगता की अवस्था में होते हो। दुखी या उत्सुक होने पर तुम्हें समय बहुत लम्बा लगता है। जब तुम प्रसन्न हो और जो कुछ कर रहे हो, उसमें आनंद आ रहा है, तब तुम्हें समय का आभास नहीं होता। इसी प्रकार, नींद में भी तुम्हें समय का आभास नहीं होता। जब तुम समय से आगे हो, समय कटता ही नहीं और नीरसता अनुभव होती है। जब समय तुम्हारे आगे है, तब तुम आश्चर्यचकित और स्तब्ध होते हो। तुम घटनाओं को आत्मसात नहीं कर पाते। गहन ध्यान में तुम ही समय हो और सब कुछ तुम्हारे ही अहदर घटित हो रहा है। घटनाएं तुममें ऐसे घट रही हैं, जैसे आसमान में बादल गुजरते हैं। जब तुम समय के साथ होते हो, तुम ज्ञानी हो, तुम्हारा मन शांत है। जब मन प्रसन्न होता है, तब यह विस्तृत होता है, तब समय भी बहुत छोटा लगता है। जब मन दुखी होता है, संकुचित होता है, तब समय बहुत लंबा प्रतीत होता है। जब मन समचित्त है, स्थिर है, तब यह काल के परे है। इन दोनों स्थितियों से बचने के लिए कई व्यक्ति शराब या निद्रा का सहारा लेते हैं, परंतु जब मन जड़ या बेसुध होता है, तब यह अपनी ही अनुभूति नहीं कर सकता। समाधि ही असल शांति है, जो मन और समय के परे है। जैसे मन समय को अनुभव करता है, वैसे इस क्षण का भी अपना एक मन है। एक विराट मन, जिसमें व्यवस्था करने की अपरिमित और असीम योग्यता है। एक विचार और कुछ नहीं, समय के इस क्षण में एक तरंग है और समाधि के कुछ ही पल मन को ऊर्जा से भर देते हैं। निद्रावस्था के पहले और जिस पल तुम नींद से जगाते हो, सचेतनता के उन धूमिल क्षणों में, समय के परे जाने का अनुभव करो। जीवन साकार व निराकार का मिशण्रहै। भावनाओं का कोई आकार नहीं परंतु उनकी अभिव्यक्ति साकार होती है। आत्मा का कोई रूप नहीं परंतु उसका निवास साकार में है। इसी तरह, ज्ञान और कृपा का भी कोई रूप नहीं, लेकिन उनकी अभिव्यक्ति किसी रूप द्वारा ही होती है। निराकार को हटा देने से तुम जड़ बनते हो- सांसारिक और संवेदनशील। आकार को छोड़ देने से तुम एक भ्रमित तपस्वी, अत्यधिक सपने देखने वाले या भावनात्मक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति बन जाते हो।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

मेलों में मौत के झूले: खुशी के टिकट पर बिकती ज़िंदगी

डॉ. प्रियंका सौरभ

हरियाणा के सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय मेले में झूला टूटने की घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि हमारे यहाँ मनोरंजन भी जान जोखिम में डालकर ही किया जाता है। जिस मेले को संस्कृति, कला और पर्यटन का उत्सव कहा जाता है, वही मेला एक पल में चीखों, अफरातफरी और मातम में बदल गया। झूले के अचानक टूटकर गिरने से एक पुलिस इंस्पेक्टर की मौत हो गई और तेरह लोग गंभीर रूप से घायल हुए। यह सिर्फ.एक दुर्घटना नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का परिणाम है जहाँ सुरक्षा सबसे आखिरी प्राथमिकता बन चुकी है।

मेलों में झूले हमेशा से आकर्षण का केंद्र रहे हैं। बच्चों की हँसी, युवाओं का उत्साह और परिवारों की उम्मीदें-सब कुछ इन झूलों से जुड़ा होता है। लेकिन जब यही झूले मौत का कारण बन जाएँ, तो सवाल केवल तकनीकी खराबी का नहीं रहता, बल्कि पूरे प्रशासनिक ढाँचे की लापरवाही उजागर हो जाती है। सूरजकुंड हादसा अचानक नहीं हुआ। यह उस लापरवाही की परिणति है, जिसे सालों से ह्लचलने दोह्व कहकर नजरअंदाज किया जाता रहा है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर ऐसे झूलों की अनुमति कैसे दी जाती है? क्या इनके फिटनेस सर्टिफिकेट की कोई गंभीर जाँच होती है या फिर कुछ कागजों और हस्ताक्षरों से ही सब कुछ ह्लमैनेजह्व कर दिया जाता है? हर बड़े मेले से पहले प्रशासन सुरक्षा के दावे करता है-ड्यूटी पर पुलिस, एंबुलेंस, दमकल वाहन-लेकिन झूलों की तकनीकी जाँच अक्सर औपचारिकता भर बनकर रह जाती है। जिस मशीन पर दर्जनों ज़िंदगियाँ झूल रही हों, उसकी गुणवत्ता, मेंटेनेंस और ऑपरेटर की ट्रेनिंग पर कोई सख़्त निगरानी क्यों नहीं होती?

यह पहली बार नहीं है जब किसी मेले या मनोरंजन पार्क में झूला गिरने से मौतें हुई हों। देश के अलग-अलग राज्यों में समय-समय पर ऐसे हादसे होते रहे हैं-कहीं बच्चों की जान गई, कहीं महिलाएँ घायल हुईं, कहीं पूरा परिवार उजड़ गया। हर बार वही कहानी दोहराई जाती है-जाँच के आदेश, मुआवजे की घोषणा और कुछ दिनों का शोर। फिर सब कुछ भुला दिया जाता है, अगली दुर्घटना तक।

सूरजकुंड हादसे में एक पुलिस इंस्पेक्टर की मौत होना इस त्रासदी को और गंभीर बना देता है। जो व्यक्ति जनता की सुरक्षा के लिए तैनात था, वही स्वयं व्यवस्था की लापरवाही का शिकार हो गया। यह घटना प्रतीक है उस विडंबना की, जहाँ सुरक्षा देने वाला भी सुरक्षित नहीं है। सवाल यह है कि अगर एक अधिकारी की जान यूँ ही चली गई, तो आम नागरिक की सुरक्षा की क्या गारंटी है?

प्रशासन अक्सर ठेकेदारों पर दोष मढ़कर पल्ला झाड़ लेता है। कहा जाता है कि झूला निजी संचालक का था, मेंटेनेंस उसकी ज़िम्मेदारी थी। लेकिन क्या प्रशासन की ज़िम्मेदारी यहीं खत्म हो जाती है? क्या बिना कड़ी जाँच के किसी भी ठेकेदार को मौत के झूले लगाने की खुली छूट दी जा सकती है? अगर हाँ, तो फिर हादसे के बाद सिर्फ.ठेकेदार को दोषी ठहराना एक तरह का धोखा ही है।

असल में यह समस्या सिस्टम की है। मेले अस्थायी होते हैं, लेकिन लापरवाही स्थायी। सुरक्षा मानकों को ह्लअतिरिक्त खर्चह्व समझा जाता है और मुनाफे को सबसे ऊपर रखा जाता है। झूले पुराने होते हैं, कई बार दूसरे राज्यों से लाकर बिना समुचित जाँच के लगा दिए जाते हैं। ऑपरेटर अक्सर अप्रशिक्षित होते हैं, जिन्हें न मशीन की तकनीक की समझ होती है और न आपात स्थिति से निपटने की ट्रेनिंग।

दुखद यह भी है कि हादसे के बाद प्रशासन की संवेदनशीलता केवल मुआवजे की घोषणा तक सीमित रह जाती है। मृतक के परिवार को कुछ लाख रुपये देकर समझ लिया जाता है कि जिम्मेदारी पूरी हो गई। लेकिन क्या किसी की जान की कीमत कुछ लाख रुपये हो सकती है? क्या मुआवजा उस दर्द, उस खालीपन और उस अन्याय की भरपाई कर सकता है? सवाल यह भी है कि क्या हमारे यहाँ मनोरंजन का मतलब ही जोखिम बन गया है? क्या मेले, झूले और उत्सव आम आदमी के लिए ह्लक आजमानेह्व की जगह बन चुके हैं-जहाँ ज़िंदा लौटना भी किस्मत पर निर्भर हो? यह सोच किसी भी सभ्य समाज के लिए शर्मनाक है।

सूरजकुंड मेला अंतरराष्ट्रीय पहचान रखता है। देश-विदेश से लोग यहाँ आते हैं। अगर ऐसे प्रतिष्ठित आयोजन में सुरक्षा का यह हाल है, तो छोटे कस्बों और गाँवों के मेलों की स्थिति का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। वहाँ न जाँच होती है, न एंबुलेंस समय पर पहुँचती है और न ही किसी की जवाबदेही तय होती है। अब जरूरत है केवल संवेदना जताने की नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई की। हर मेले और मनोरंजन आयोजन के लिए सख़्त सुरक्षा मानक तय होने चाहिए। झूलों की तकनीकी जाँच स्वतंत्र विशेषज्ञों से कराई जाए, न कि औपचारिक समितियों से। ऑपरेटरों की ट्रेनिंग अनिवार्य

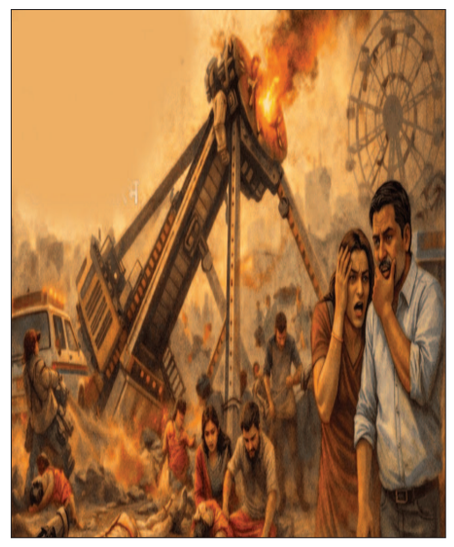

हो और जरा-सी लापरवाही पर लाइसेंस रद्द किया जाए। सबसे अहम बात-हादसे की स्थिति में सिर्फ.मुआवजा नहीं, बल्कि आपराधिक ज़िम्मेदारी भी तय की जाए।

आज सूरजकुंड में झूला गिरा है। कल यह किसी और मेले में गिरेगा, अगर हमने अभी भी आँखें मूँद रखीं। सवाल यह नहीं है कि अगला हादसा कहाँ होगा, सवाल यह है कि क्या हम हर बार मौत के बाद ही जागेंगे? मेलों का मकसद खुशी बाँटना होता है, मौत नहीं। लेकिन जब खुशी के टिकट पर ज़िंदगी बिकने लगे, तो समझ लेना चाहिए कि यह सिर्फ. हादसा नहीं, एक अपराध है-और उस अपराध की ज़िम्मेदारी तय करना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

(लेखिका पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं)

बोफोर्स से ट्रेड डील तक का सफर और बदलते भारत में कांग्रेस की ठहरी हुई सोच

कांतिलाल मांडोत

संसद के उच्च सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक घंटे अड़तीस मिनट का भाषण केवल एक राजनीतिक जवाब नहीं था, बल्कि वह पिछले सात दशकों की राजनीतिक संस्कृति और बीते ग्यारह वर्षों में बदले भारत के आत्मविश्वास का आईना था। विपक्ष के शोर, नारेबाजी और वॉकआउट के बीच दिया गया यह उद्बोधन इस सवाल को फिर से केंद्र में ले आया कि देश आज किस दिशा में खड़ा है और कौन-सी सोच उसे आगे बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री का ह्लबोफोर्स डील से ट्रेड डील तकह्व का कथन दरअसल एक पूरे युगांतरण का प्रतीक है, जिसमें भारत ने घोटालों, नीतिगत जड़ता और वैश्विक अविश्वास के दौर से निकलकर आत्मनिर्भरता, वैश्विक साझेदारी और आर्थिक महत्वाकांक्षा की राह पकड़ी है।

कांग्रेस की राजनीति लंबे समय से सत्ता को अपना जन्मसिद्ध अधिकार मानती रही है। आजादी के बाद दशकों तक केंद्र और अनेक राज्यों में शासन करने के बावजूद कांग्रेस देश को वह निर्णायक नेतृत्व नहीं दे पाई, जिसकी जरूरत थी। बोफोर्स घोटाला केवल एक रक्षा सौदे का मामला नहीं था, बल्कि वह उस मानसिकता का प्रतीक था जिसमें सत्ता, परिवार और हितों की गठजोड़ ने राष्ट्रीय हितों को पीछे छोड़ दिया। उसी दौर में भारत वैश्विक मंच पर एक ऐसा देश था, जिससे समझौते करने में दुनिया हिचकती थी और जिसकी अर्थव्यवस्था सहायता और कर्ज. पर टिकी मानी जाती थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यसभा में ठीक ही कहा कि कांग्रेस, टीएमसी या डीएमके जैसी पार्टियां दशकों तक सत्ता में रहीं, फिर भी देश उन्हें किस उपलब्धि से याद करता है, यह प्रश्न आज भी अनुत्तरित है। इसके उलट, बीते ग्यारह वर्षों में भारत की तस्वीर बदली है। आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ चुका है, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में उसकी भूमिका मजबूत हुई है और बड़े-बड़े देश भारत के साथ व्यापार समझौतों के लिए उत्सुक हैं। यूरोपीय यूनियन से लेकर अमेरिका तक के साथ हो रही ट्रेड डील्स इस बदले हुए भरोसे का प्रमाण हैं।

कांग्रेस की समस्या केवल नीतियों तक सीमित नहीं है, उसकी भाषा और संस्कार भी सवालों के घेरे में हैं। ह्लमोदी तेरी कब्र खुदेगीह्व जैसे नारे न केवल राजनीतिक असहमति की मयार्दा को तोड़ते हैं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों का भी अपमान करते हैं। प्रधानमंत्री ने सही पूछा कि यह कैसी ह्लमोहब्बत की दुकानह्व है, जिसमें किसी निर्वाचित प्रधानमंत्री की कब्र खोदने की बात की जाती है। यह भाषा बताती है कि कांग्रेस आज भी नकारात्मकता और व्यक्तिगत द्वेष की राजनीति में उलझी हुई है, जबकि देश सकारात्मक एजेंडे और भविष्य की बात करना चाहता है।

कांग्रेस के ह्ययुवराजह्व द्वारा एक सिख सांसद को गद्दार कहने का उल्लेख भी इसी मानसिकता की ओर इशारा करता है। यह केवल एक व्यक्ति पर टिप्पणी नहीं, बल्कि पूरे सिख समुदाय और उनके गुरुओं का अपमान है। जिस पार्टी ने लंबे समय तक खुद को समावेशिता और सेक्युलरिज्म का ठेकेदार बताया, वही आज पहचान की राजनीति और विभाजनकारी बयानबाजी में फंसी दिखती है। प्रधानमंत्री का यह कहना कि यह सिखों और गुरुओं का अपमान है, केवल राजनीतिक आरोप नहीं, बल्कि सामाजिक चेतावनी भी है।

विकसित भारत की कल्पना करने वाली सरकार और कांग्रेस की सोच में मूलभूत अंतर है। मोदी सरकार मानती है कि 140 करोड़ भारतीय समस्याएं नहीं, बल्कि संभावनाएं हैं। इसके विपरीत, नेहरू-इंदिरा काल की वह सोच थी जिसमें जनसंख्या को समस्या के रूप में देखा जाता था। यह दृष्टिकोण ही नीति निर्माण को दिशा देता है। जब नेतृत्व जनता पर भरोसा करता है, तो परिणाम जनभागीदारी, स्टार्टअप संस्कृति, डिजिटल क्रांति और बुनियादी ढांचे के तेज विकास के रूप में सामने आते हैं। अनुच्छेद 370 का हटाया जाना भी इसी निर्णायक नेतृत्व का उदाहरण है। दशकों तक जिसे असंभव बताया गया, उसे राजनीतिक इच्छाशक्ति ने संभव कर दिखाया। यह केवल एक संवैधानिक कदम नहीं था, बल्कि यह संदेश था कि भारत अब साहसिक फैसलों से नहीं हिचकता। कांग्रेस इसे आज भी अपने पुराने चश्मे से देखती है, क्योंकि वह बदलाव की राजनीति को स्वीकार नहीं कर पाई है।

ट्रेड डील के संदर्भ में वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बयान इस बात की पुष्टि करते हैं कि भारत-अमेरिका संबंध एक नए दौर में प्रवेश कर रहे हैं। आयात शुल्क में कटौती, संयुक्त बयान और संभावित हस्ताक्षर केवल आर्थिक आंकड़े नहीं हैं, बल्कि यह उस भरोसे का संकेत हैं जो दुनिया आज भारत पर कर रही है। कभी जिस भारत को समझौतों की मेज पर जगह पाने के लिए संघर्ष करना पड़ता था, आज वही भारत शर्तें तय करने की स्थिति में है।

कांग्रेस की विडंबना यह है कि वह इस बदलाव को स्वीकार करने के बजाय उसे नकारने में ऊर्जा खर्च कर रही है। प्रधानमंत्री की कुर्सी को अपनी जागीर मानने वाली मानसिकता आज भी उसे परेशान करती है। उसे यह सवाल कचोटता है कि एक साधारण पृष्ठभूमि से आया व्यक्ति देश का नेतृत्व कैसे कर सकता है। यही असहजता उसकी बयानबाजी में झलकती है, चाहे वह ह्लकब्रह्व जैसे शब्द हों या व्यक्तिगत आरोप।

आज का भारत भावनाओं से नहीं, तथ्यों और परिणामों से बात करता है। ग्यारह वर्षों में सड़कों, रेल, डिजिटल भुगतान, रक्षा उत्पादन, अंतरिक्ष और कूटनीति में जो बदलाव आए हैं, वे किसी प्रचार का नहीं, बल्कि नीतिगत निरंतरता और कर्मनिष्ठा का परिणाम हैं। प्रधानमंत्री मोदी का विश्वसत्ता की ओर भारत को ले जाने का लक्ष्य केवल सपना नहीं, बल्कि स्पष्ट रोडमैप पर आधारित है।

अंततः यह बहस केवल मोदी बनाम कांग्रेस की नहीं है, बल्कि पुरानी और नई सोच की है। एक ओर वह राजनीति है जो अतीत के घोटालों, परिवारवाद और नकारात्मक नारों से बाहर नहीं निकल पा रही, और दूसरी ओर वह नेतृत्व है जो आत्मविश्वास, सत्यनिष्ठा और परिश्रम के बल पर भारत को नई ऊंचाइयों तक ले जाना चाहता है। बोफोर्स से ट्रेड डील तक का यह सफर बताता है कि देश ने रास्ता चुन लिया है। अब सवाल यह है कि कांग्रेस कब अपने भीतर झांककर यह समझेगी कि भारत बदल चुका है, और राजनीति को भी बदलना होगा।

(वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का

गड्ढों वाली व्यवस्था और खतरे में पड़ता जीवन

गड्ढों में गिरी व्यवस्था में समाप्त होता जीवन आज के भारत की एक ऐसी विडंबना बन चुका है, जिसे देखकर मन भीतर तक सिहर उठता है। नोएडा में कार सवार युवा इंजीनियर की गड्ढे में गिरकर मौत का दर्द अभी समाज के मन से उतरा भी नहीं था कि दिल्ली में बाइक सवार युवक की जान एक खुले गड्ढे ने लील ली। दोनों घटनाओं में समानता यह है कि गड्ढे प्रशासन द्वारा विकास या मरम्मत के नाम पर खोदे गए थे और दोनों जगह न तो कोई बैरिकेडिंग थी, न चेतावनी बोर्ड, न रोशनी की व्यवस्था। मानो व्यवस्था ने पहले गड्ढा खोदा और फिर निश्चिंत होकर वहां से हट गई कि अब जो होगा, वह नागरिक की किस्मत है। यही वह सोच है जो किसी भी समाज को भीतर से खोखला कर देती है।

प्रश्न यह नहीं है कि गड्ढे क्यों खोदे गए, प्रश्न यह है कि गड्ढे खोदकर लोगों को मौत के मुंह में धकेलने का अधिकार प्रशासन को किसने दिया। क्या विकास का अर्थ यह हो गया है कि सड़कों पर चलते हुए हर नागरिक अपनी जान हथेली पर रखे। क्या शहरों की चमक-दमक और बड़े-बड़े दावों के बीच आम आदमी का जीवन इतना सस्ता हो गया है कि उसकी मौत पर सिर्फ एक खबर छप जाए, दो दिन बहस हो और फिर सब कुछ सामान्य हो जाए। यह सामान्य हो जाना ही सबसे बड़ा खतरा है, क्योंकि जब मौतें सामान्य लगने लगें, तब व्यवस्था की संवेदनशीलता मर चुकी होती है।

दिल्ली जल बोर्ड द्वारा खोदा गया गड्ढा हो या नोएडा की किसी एजेंसी का, जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया हर बार एक जैसी रहती है। अफसर निलंबित कर दिए जाते हैं, जांच समितियां बना दी जाती हैं, 24 या 48 घंटे में रिपोर्ट देने की घोषणा होती है और कुछ समय बाद वही फाइलें धूल फांकने लगती हैं। निलंबन और जांच अब समाधान नहीं, बल्कि एक औपचारिक रस्म बन गई है। सवाल यह है कि क्या निलंबन से मरे हुए बेटे लौट आते हैं, क्या जांच समितियों से टूटे हुए परिवार फिर से जुड़ जाते हैं। जब तक जवाबदेही केवल कागजों पर सिमटी रहेगी, तब तक गड्ढों में गिरती जिंदगियां यूं ही व्यवस्था का शिकार बनती रहेंगी।

इस पूरी तस्वीर का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि बड़े शहरों में ऐसी घटनाएं कम से कम चर्चा में तो आती हैं, मीडिया सवाल तो उठाता है, लेकिन छोटे शहरों, कस्बों और गांवों में यही गड्ढे रोज जिंदगियां निगल रहे हैं और खबर तक नहीं बनते। वहां न कैमरा पहुंचता है, न कोई प्रतिनिधि, न कोई जांच समिति। वहां मौतें सिर्फ परिवारों की निजी त्रासदी बनकर रह जाती हैं। क्या नागरिक का मूल्य शहर के आकार से तय होगा। क्या महानगरों का नागरिक ज्यादा कीमती है और छोटे शहरों का नागरिक सस्ता। यह असमानता केवल संसाधनों की नहीं, बल्कि संवेदनाओं की भी है।

हम एक ओर विकसित भारत, सशक्त भारत, विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की बात करते हैं, दूसरी ओर हमारी सड़कों पर खुले गड्ढे हमें आईना दिखाते हैं। विकास की रफ्तार तेज हो सकती है, लेकिन यदि उस रफ्तार में सुरक्षा, जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना नहीं जुड़ी, तो वह रफ्तार विनाश की ओर ही ले जाएगी। यह विडंबना ही है कि हम स्मार्ट सिटी की बातें करते हैं, लेकिन स्मार्ट बैरिकेडिंग, स्मार्ट चेतावनी और स्मार्ट जिम्मेदारी पर बात करना भूल जाते हैं। तकनीक के युग में भी एक साधारण चेतावनी बोर्ड लगाना हमारे तंत्र को याद नहीं रहता।

दरअसल समस्या केवल लापरवाही की नहीं, बल्कि उस मानसिकता की है जिसमें नागरिक को एक आंकड़ा समझ लिया गया है। फाइलों में वह एक केस नंबर है, सड़क पर वह एक बाधा और हादसे के बाद वह एक आंकड़ा। जब तक प्रशासन और शासन की दृष्टि में नागरिक का जीवन सर्वोपरि मूल्य नहीं बनेगा, तब तक हर नया गड्ढा एक नई मौत की संभावना बनकर खड़ा रहेगा। सवाल यह भी है कि क्या इन गड्ढों के लिए कभी उच्च स्तर पर नैतिक जिम्मेदारी तय होगी। क्या कभी ऐसा होगा कि किसी बड़े पद पर बैठे व्यक्ति से पूछा जाए कि आपके विभाग की लापरवाही से एक जान गई, इसलिए आप पद पर बने रहने के नैतिक अधिकारी नहीं हैं।

भ्रष्ट शासन के समाप्त होने की बड़ी-बड़ी घोषणाएं हर चुनाव में सुनाई देती हैं। पोस्टर बदलते हैं, नारे बदलते हैं, लेकिन जमीन पर गड्ढे वैसे ही रहते हैं। यदि भ्रष्टाचार केवल रिश्वत लेने तक सीमित होता तो शायद उसे पहचानना आसान होता, लेकिन यह जो संवेदनहीन भ्रष्टाचार है, जहां नियमों की अनदेखी, सुरक्षा मानकों की उपेक्षा और समय पर काम पूरा न करना शामिल है, यह ज्यादा खतरनाक है। इसमें पैसा दिखता नहीं, लेकिन इसकी कीमत किसी की जान से चुकानी पड़ती है।

आज जब हम अमृत काल और शताब्दी वर्ष में नए भारत की कल्पना कर रहे हैं, तब यह प्रश्न और भी तीखा हो जाता है कि क्या खुले गड्ढों वाला देश महान बन सकता है। क्या वह देश विकसित कहलाने योग्य है, जहां नागरिक रात को सड़क पर निकलते समय यह दुआ करे कि कहीं कोई गड्ढा उसकी जिंदगी न छीन ले। विकास केवल पुलों, सड़कों और इमारतों से नहीं मापा जाता, बल्कि इस बात से मापा जाता है कि आम आदमी खुद को कितना सुरक्षित महसूस करता है। यदि सुरक्षा का भरोसा नहीं, तो सारी उपलब्धियां खोखली हैं। गड्ढों में गिरी व्यवस्था केवल सड़कों की समस्या नहीं है, यह हमारे शासन तंत्र की नैतिक गिरावट का प्रतीक है। यह उस दूरी को दिखाता है जो सत्ता और नागरिक के बीच बढ़ती जा रही है। जब तक हर गड्ढे को सिर्फ तकनीकी खामी समझा जाएगा और हर मौत को दुर्भाग्य कहकर टाल दिया जाएगा, तब तक यह सिलसिला रुकेगा नहीं। जरूरत इस बात की है कि हर गड्ढा एक सवाल बने, हर मौत एक चेतावनी और हर लापरवाही एक अपराध मानी जाए।

कब वे गड्ढे भरेंगे, कब व्यवस्था की दरारें बंद होंगी और कब विकास की दौड़ में भागता देश यह भरोसा पाएगा कि वह सुरक्षित हाथों में है, यह सवाल आज हर नागरिक के मन में है। शायद उस दिन हम सचमुच कह सकेंगे कि हमारा देश महान बनने की राह पर है। अभी तो लगता है कि हम महान नहीं, बल्कि परेशान हैं और यह परेशानी सिर्फ गड्ढों की नहीं, गड्ढों में गिरती संवेदनाओं की है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अफजलपुर लुट कौराला में खुलेगी के एस एम क्रिकेट एकेडमी

आगामी नए सत्र से होंगे एडमिशन शुरू, राष्ट्रीय स्तर के कोच संभालेंगे क्रिकेट एकेडमी

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- कुंदन सिंह मेमोरियल एजूकेशनल ग्रुप की शान में एक और इजाफा होने जा रहा है। के एस एम ग्रुप शीघ्र ही अफजलपुर लुट कौराला में के एस एम क्रिकेट एकेडमी शुरू करेगा। आगामी नए वर्ष में एडमिशन शुरू हो जायेंगे । के एस एम समूह के चेयरमैन गुरमीत सिंह ने बताया कि शीघ्र ही के एस एम क्रिकेट एकेडमी अफजलपुर लुट कौराला का शुभारंभ होगा राष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट कोच बच्चों की प्रतिभा को निखारेंगे । अब पढ़ाई के साथ साथ क्षेत्र के बच्चे क्रिकेट में भी अपना भविष्य बना सकते है । के एस एम क्रिकेट एकेडमी न केवल वेस्ट यूपी की नंबर वन क्रिकेट एकेडमी बनेगी बलिक उत्तर प्रदेश की नम्बर वन क्रिकेट एकेडमी बनेगी । जिसकी पिच पर राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार होंगे । दिल्ली से आये राष्ट्रीय स्तर के कोच रहीस हसन ने के एस एम एकेडमी का स्थलीय निरीक्षण किया तथा लोकेशन को सही बताते हुए फील्ड को क्रिकेट के मैदान अनुरूप बनाने की बात कही । रहीस हसन वीरेंद्र सागवान की क्रिकेट एकेडमी 10 वर्ष संभाल चुके है। तथा एन सी आर में आर पी क्रिकेट एकेडमी देख रहे है आई सी सी लेवल वन के कोच है एम एस धोनी लेवल वन का कोर्स एवं आई सी सी के पीच कोड़ीटर है< अफजलपुर लुट कौराला में के एस एम क्रिकेट एकेडमी शुरू होने से न केवल क्षेत्र के क्रिकेट प्रेमियों को बल्कि मुरादाबाद मंडल से बड़ी प्रतिभाएं निखारने का अवसर मिलेगा। के एस एम क्रिकेट एकेडमी अफजलपुर लुट कौराला के कोच रहीस हसन ने बताया कि एकेडमी में एडमिशन लेने की उम्र कम से कम आठ वर्ष है आगामी नए सत्र से एडमिशन शुरू हो जायेंगे। के एस एम क्रिकेट एकेडमी अफजलपुर लुट कौराला स्टेट लेवल के क्रिकेट मैचों का आयोजन भी अपनी पिच पर करेगी ।

दिव्यांगजन रोजगार अभियान 2.0" के तहत 12 और 13 फरवरी को होगा रोजगार मेले का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने अवगत कराया कि मिशन निदेशक, उ०प्र० कौशल विकास मिशन, आई०टी०आई० के निदेर्शों के क्रम में जनपद स्तर पर 06 से 13 फरवरी, 2026 के मध्य "दिव्यांगजन रोजगार अभियान 2.0" संचालित किये जाने तथा एक सप्ताह की अवधि में अभियान के अन्तर्गत जनपद में विगत 03 वर्षों में कौशल प्रशिक्षित किये गये दिव्यांगजन में अर्ह एवं इच्छुक दिव्यांगजन को सेवायोजन एवं स्व-रोजगार से लाभान्वित किये जाने के निर्देश प्राप्त हुए हैं। तत्कम में दिव्यांगजन को रोजगार उपलब्ध कराये जाने हेतु जनपद में रोजगार मेलों का आयोजन कराया जा रहा है।12 फरवरी को रोजगार मेले का आयोजन शिव इण्टर कॉलेज, गजरौला में और 13 फरवरी को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गंगेश्वरी, रहरई में प्रातः 10:30 बजे से किया जाएगा। उक्त जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि समस्त दिव्यांगजन जो बेरोजगार हैं एवं रोजगार पाने हेतु पात्र एवं इच्छुक हैं से अनुरोध है कि कृपया उक्त स्थान एवं दिनांक को अपने समस्त शैक्षणिक अभिलेखों के साथ उपस्थित होकर साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती को भव्य रूप देने की तैयारी, एकजुटता का लिया संकल्प

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- संविधान निमार्ता भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर के आगामी जन्मोत्सव को लेकर आज दिनांक 08 फरवरी 2026 को नगर के चौधरी टी. आर. मेमोरियल पब्लिक स्कूल में 'डॉ. भीमराव आंबेडकर जन्मोत्सव समिति' की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष आंबेडकर जयंती को ऐतिहासिक और धूमधाम से मनाया जाएगा।कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी एवं कांग्रेसी नेता जयपाल सिंह ने की एवं कुशल संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता चमनलाल एडवोकेट द्वारा किया गया। वक्ताओं ने बैठक में एकजुटता और समरसता पर जोर दिया गया। वरिष्ठ समाजसेवी कांग्रेसी नेता जयपाल सिंह ने इस बात पर विशेष बल दिया कि इस बार का जन्मोत्सव केवल एक वर्ग विशेष का न होकर, सर्वसमाज का कार्यक्रम बनेगा उन्होंने सभी को साथ लेकर चलने" का दृढ़ संकल्प दोहराया। कहा कि बाबा साहब ने जिस समतामूलक समाज का सपना देखा था, उसे आपसी भाईचारे और एकता के माध्यम से ही साकार किया जा सकता है। बैठक को संबोधित करते हुए महीपाल सिंह प्रधानाचार्य, रामवीर सिंह,गोपीचंद पूर्व प्रबंधक,रामपाल सिंह नेताजी ने संयुक्त रूप युवाओं को आंबेडकर जयंती के माध्यम से सामाजिक कार्यों में जुड़ने का आह्वान किया। और अम्बेडकर जयंती को धूमधाम से मनाने का संकल्प लिया वरिष्ठ सदस्य चन्द्रभान सिंह और सतेन्द्रपाल एडवोकेट ने प्रशासनिक और सुरक्षा व्यवस्था के साथ तालमेल बिठाकर भव्य शोभायात्रा निकालने की योजना पर चर्चा की। इस अवसर पर डॉ भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव समिति के अध्यक्ष दिनेश कुमार गौतम, अखिल भारतीय अम्बेडकर संघ हसनपुर के अध्यक्ष रामवीर सिंह,अजब सिंह एडवोकेट, सतेन्द्र पाल एडवोकेट, चन्द्रभान सिंह,संजय सिंह,विजय गौतम, आशीष कुमार,रोहताश सिंह, अतर सिंह, डॉ. महेश चंद्र, अंकुर सेठी, दिनेश कुमार, कैलाश सिंह, मुरारीलाल मौर्य, जगवीर सिंह मौर्य,अरविंद कुमार अन्ना, मुकेश जाटव, रुपराम सिंह, लवी सागर, नवाब सैफी, अमित हाली आदि मौजूद रहे। बैठक के अंत में तय किया गया कि आगामी दिनों में वार्ड स्तर पर कमेटियां गठित की जाएंगी ताकि कार्यक्रम का संदेश घर-घर तक पहुँचाया जा सके। नगर में निकलने वाली शोभायात्रा को लेकर विभिन्न झांकियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी भी जल्द शुरू कर दी जाएगी।

आज राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान होगा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेन्टिसशिप मेले का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य ने जानकारी देते हुए कहा कि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, ग्रा०-केशोपुर, कैलसा रोड पर 09 फरवरी दिन सोमवार यानी कि आज पूर्वाह्न 10:00 बजे प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेन्टिसशिप मेले का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें जपनद एवं वाह्य की प्रतिष्ठित कम्पनियों द्वारा प्रतिभाग कर विभिन्न व्यवसायों के आई०टी०आई०/ हाईस्कूल स्नातक डिग्री डिप्लोमा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का अप्रेन्टिसशिप हेतु चयन किया जायेगा। इसीलिए सोमवार (आज) पूर्वाह्न 10:00 बजे आयोजित अप्रेन्टिसशिप मेले में उक्तानुसार विभिन्न व्यवसायों (फिटर विद्युतकार इलैक्ट्रोनिक्स मैकेनिक्स मैके० मोटरव्हीकल कोपा/ सी०एच० एन०एम०/ वेल्डर/प्लम्बर / मशीनिष्ट/ हाईस्कू ल/ स्नातक/ डिग्री/ डिप्लोमा आदि) उत्तीर्ण अभ्यार्थी राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, ग्रा०-केशोपुर, कैलसा रोड, अमरोहा में उपस्थित होकर स्वर्णिम अवसर का लाभ प्राप्त करें।

डीएम-एसपी ने कांवड़ मार्ग का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में कांवड़ यात्रा को सकुशल और सुगमता से पूर्ण कराने के दृष्टिगत जिला मजिस्ट्रेट निधि गुप्ता वत्स और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने मौके पर जाकर कांवड़ मार्गों का निरीक्षण किया। उनके द्वारा भवानी बॉर्डर से बिजनौर-अमरोहा रोड पर मखदूमपुर, याहयापुर, कताई मिल आदि कांवड रूट का निरीक्षण कर कांवड़ियों के सुगम आवागमन एवं यातायात की समुचित व्यवस्था हेतु सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेकर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उन्होंने यात्रा मार्गों पर सुरक्षा इंतजामों की विस्तृत समीक्षा करते हुए बैरिकेडिंग, साफ सफाई, लाइटिंग व्यवस्था और सीसीटीवी कैमरों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मार्गों पर साफ सफाई और प्रकाश की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने यात्रा मार्गों पर सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू रखने के साथ कांवड़ मार्गों से अतिक्रमण हटाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग के सदस्य ने गौ शालाओं का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में सदस्य उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग दीपक गोयल के द्वारा तहसील धनौरा की गौ शालाओं का निरीक्षण किया गया। कान्हा गौशाला गजरौला एवं बछरायु, अस्थायी गौ आश्रय स्थल चुचेला कला एवं डिंगरा उनके द्वारा गौ माता को चुनरी ओढ़ा कर गौ पूजन किया गया और गौ माता को गुड़ खिलाया गया. सभी गौशालाओ में गौ वंश के स्वास्थ्य को देख कर उनके द्वारा संतोष व्यक्त किया गया. रख रखाव, सफाई, पीने के पानी, भूसे, चारे और पशु आहार की व्यवस्थाओं की सराहना की गई. सहभागिता योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक लोगों को लाभ पहुंचाने, पशुओं को मानकों के अनुरूप आहार देते रहने का निर्देश दिया गया। केयरटेकर से जानकारी ली कि उन्हें मानदेय का भुगतान समय से प्राप्त होता है अथवा नहीं। निरीक्षण के समय मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ आभा दत्त, उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, धनौरा डॉक्टर दीपाक्षी, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर कुलदीप उपस्थित रहे।

गजरौला में सार्वजनिक स्थल बाइक से पटाखा फोड़ने वाला युवक गिरफ्तार,बाइक सीज

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के नगर कोतवाली गजरौला में रविवार की शाम को पुलिस ने एक युवक को बाइक पर पटाखे फोड़ते हुए सार्वजनिक स्थान पर हुड़दंग मचाते हुए पकड़ लिया। पकड़े गए युवक की पहचान अल्तमश के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे कानून व्यवस्था भंग करने के आरोप में रोकते हुए उसकी बाइक जब्त कर ली। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि अल्तमश शहर के व्यस्त इलाकों में बाइक चलाते हुए पटाखे फोड़ रहा था, जिससे न केवल आम लोगों में डर और भय का माहौल उत्पन्न हुआ, बल्कि राहगीरों और स्थानीय दुकानदारों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। ह्वइस प्रकार का व्यवहार किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। हमने युवक को चेतावनी दी और उसकी बाइक जब्त कर ली है। क्षेत्र में किसी भी प्रकार का असामाजिक या अशांति फैलाने वाला कार्य बर्दाश्त नहीं किया जाएगा,ह्व उन्होंने कहा।स्थानीय लोगों ने पुलिस की कार्रवाई की सराहना की। कई दुकानदारों ने बताया कि युवक अक्सर इसी तरह के कार्य करता रहा है और इससे इलाके में असुरक्षा की भावना बढ़ती थी। ह्वयह अच्छा हुआ कि पुलिस ने समय रहते कार्रवाई की। इससे इलाके में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलेगी,ह्व एक दुकानदार ने कहा।गजरौला पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस प्रकार के असामाजिक तत्वों की जानकारी तुरंत थाने को दें। थाना प्रभारी ने कहा कि शहर में शांति बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार के सार्वजनिक स्थान पर असामाजिक गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे किसी भी युवक के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।इस घटना के बाद से शहर के कई क्षेत्रों में पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई को सकारात्मक कदम बताते हुए कहा कि इससे शहर में सुरक्षा का माहौल बेहतर होगा और भविष्य में कोई भी व्यक्ति सार्वजनिक जगहों पर अशांति फैलाने से पहले दो बार सोचेगा।अल्तमश के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की तैयारी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि अगर युवक ने भविष्य में फिर से कोई असामाजिक गतिविधि की कोशिश की, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।इस घटना से यह स्पष्ट हो गया है कि गजरौला पुलिस कानून व्यवस्था बनाए रखने और शहरवासियों की सुरक्षा के प्रति सतर्क है। पुलिस ने यह भी भरोसा दिलाया कि कोई भी व्यक्ति किसी भी सार्वजनिक जगह पर कानून का उल्लंघन नहीं कर सकता और ऐसे मामलों में तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

जनपद न्यायालय अमरोहा में किया जाएगा बृहद मेगा शिविर का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- शनिवार को विवेक, जनपद न्यायाधीश / अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा द्वारा 22 फरवरी 2026 को आयोजित होने वाले बृहद मेगा शिविर को सफल बनाने हेतु आहुत की गयी। बैठक का संचालन विवेक, जनपद न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा द्वारा संचालन किया गया। आहुत बैठक में बृहद मेघा शिविर को सफल बनाने हेतु चर्चा की गयी। बैठक में जनपद न्यायाधीश द्वारा समस्त विभागों को जनपद अमरोहा की आम जनता को अधिक से अधिक चिन्हित करने एवं अधिक से अधिक लाभान्वित करने हेतु निर्देशित किया गया तथा विभागों को उनके द्वारा संचालित योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने के लिए भी निर्देशित किया गया। जिससे आम जनता को अधिक से अधिक लाभान्वित किया सकें। बृहद मेघा शिविर का आयोजन जनपद न्यायालय अमरोहा में किया जाएगा। आहुत बैठक में नोडल अधिकारी/अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ईश्वर सिंह, न्यायाधीश / सचिव, अभिषेक कुमार व्यास, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं समस्त विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

मदरसा अहले सुन्नत मदीना तुल उलूमः इल्म की महफिल में गूँजी कामयाबी की गूँज

सैदनंगली/अमरोहा (सब का सपना):- मदरसा अहले सुन्नत मदीना तुल उलूम में वार्षिक 'जश्ने दस्तारबंदी' का आयोजन बड़े ही अदब और एहतराम के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में उन पांच होनहार छात्रों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने इस साल अपनी तालीम (शिक्षा) मुकम्मल की है।

इस दौरान छात्र हाफिज फैजान पुत्र डॉक्टर इरशाद सैफी ग्राम ग्राम अल्लीपुर भूड़ शर्की (ढक्का मोड़), हाफिज तंजीम पुत्र ताहिर हुसैन ग्राम हरियाना, हाफिज अदनान पुत्र मोहम्मद रिजवान ग्राम हरियाना, हाफिज सुभान पुत्र फिरासत अली ग्राम ककराली, हाफिज हाशिम अली पुत्र अली शेर नगर पंचायत उझारी इन सभी बच्चों को उलेमा-ए-किराम के मुबारक हाथों से दस्तार-ए-फजीलत बांधी गई। मदरसे के मोहतमीम कारी इशरतुल्लाह साहब व सदर हाजी अलाउद्दीन सैफी के द्वारा उनकी हौसलाअफजाई के लिए उन्हें यादगारी शील्ड प्रदान की गई। महाराष्ट्र के मुंबई से तशरीफ लाये मंच पर मौजूद मुफ्ती मोहम्मद रजा जामी साहब ने कहा, "इल्म ही वह रौशनी है जो समाज से अंधेरा मिटा सकती है। मदरसा न केवल तालीम देता है, बल्कि बच्चों को एक अच्छा इंसान बनने की तरबियत भी देता है।"इस मौके पर बच्चों के माता-पिता की आंखों में खुशी के आंसू और चेहरे पर गर्व साफ देखा जा सकता था। मदरसा अहले सुन्नत मदीना तुल उलूम में 'जश्ने दस्तारबंदी' का शानदार आयोजन परी इशरतुल्लाह साहब के बुलावे पर मुफ्ती मोहम्मद बिलाल साहब बिलासपुर उस्ताद कारी आबिद रिजवी साहब उझारी, कारी आस मोहम्मद सैद नगली, दानिश राजा संभल कारी मोहम्मद ताहिर शकरगड़ी, कारी अय्यूब रजा,कसीर तादाद उलमाएदीन ने, अल्लीपुर भूड़ शर्की मे, इस मुबारक मौके पर पहुंचकर पांचो खुशकिस्मत बच्चों की हौसलाअफजाई की जिन्होंने अपनी तालीम मुकम्मल की, उलेमा-ए-किराम के हाथों बच्चों के सिर पर दस्तार (पगड़ी) बांधी गई, जो उनके इल्म और मेहनत का प्रतीक है। इस मौके पर बच्चों को ताकीद की गई कि वे हासिल किए हुए इल्म से इंसानियत की खिदमत करें और समाज में रौशनी फैलाएं। मदरसे के जिम्मेदारों ने बताया कि यह आयोजन हर साल बच्चों के भीतर तालीम के प्रति जोश और जज्बा पैदा करने के लिए किया जाता है। इस मौके पर ग्राम प्रधान इसरार अहमद सैफी, हाजी इंतजार सैफी, नसीर अहमद सैफी, कल्लू खान मलिक इकबाल मलिक फहीम अहमद सैफी मोहम्मद अबरार सैफी, गबरूद्दीन मलिक, नफीस अहमद सैफी, मुस्ताक मलिक,खुशमुद्दीन सैफी, मुस्तकीम सैफी आस मोहम्मद चौधरी,काफी तादात में लोग मौजूद रहे प्रोग्राम के आखिर में मुल्क की अमन-ओ-अमान और तरक्की के लिए खास दुआ की गई।

डीएम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौगांवा का किया औचक निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं की जांच के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौगांवा का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा चिकित्सालय में औषधि वितरण कक्ष, लैब कक्ष, टी०बी० यूनिट, लेबर रुम, ओ०टी० कक्ष, चिकित्सालय की ओ०पी०डी० सेवायें एन०बी०एस०यू० एवं आई०पी०डी० सेवाओं का निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा चिकित्सालय में भर्ती मरीजों से वार्ड में जाकर उनकी सेहत के विषय में जानकारी ली गई। निरीक्षण के समय जिलाधिकारी द्वारा चिकित्सालय में स्थापित लैब में मानकानुसार समस्त जांचों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये एवं चिकित्सालय में संस्थागत प्रसवों की संख्या को बढ़ाने हेतु निर्देशित किया kजिलाधिकारी ने

टी0बी0 यूनिट के निरीक्षण के दौरान मरीजों टी0बी0 की होने वाली जांचों के बारे में जानकारी लेते हुए प्रतिदिन कितनी जांच हो रही इसकी जानकारी ली। इलाजरत मरीजों की संख्या जानने के साथ कोर्स कंप्लीट करने वाले की जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देश दिया कि इलाजरत मरीजों से निरंतर संपर्क बनाएं रखें। ओपीडी कक्ष के निरीक्षण के दौरान उन्होंने चिकित्सा अधीक्षक से जानकारी प्राप्त की कौन-कौन सी बीमारी के मरीज आते हैं और प्रतिदिन ओपीडी में कितने मरीज आ रहे हैं। गर्भवती महिलाओं की ऑनलाइन होने वाली फीडिंग की जानकारी लेते हुए इस माह होने वाले होने वाली डिलीवरी के लिए निर्देशित किया कि आशाओं और एएनएम द्वारा ऐसी महिलाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए, डिलीवरी से 10 दिन पहले उनसे संपर्क किया जाए और उन्हें सरकारी अस्पताल में डिलीवरी करने के लिए प्रेरित किया जाए।

उन्होंने चिकित्सा अधीक्षक को संस्थागत प्रसव बढ़ाने के लिए निर्देश देते हुए स्टाफ नर्स वाइज डिलीवरी की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उपस्थित स्टाफ नर्स से जानकारी ली कि जनवरी माह में कितनी डिलीवरी हुई कम डिलीवरी पर नाराजगी जताते हुए बढ़ाने के निर्देश दिए। खराब कार्य करने वाली आशाओं पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने अस्पताल में मौजूद मरीज और तीमारदारों से अस्पताल में मिल रही सुविधाओं की भी जानकारी ली। अस्पताल का मेंटिनेंस उचित करने के साथ-साथ बेहतर साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 योगेन्द्र सिंह, चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 आरिफ समी सहित अन्य चिकित्सक एवं स्टाफ उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में हजारों रोगियों का किया गया निःशुल्क उपचार

एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत सैकड़ों व्यक्तियों को तंबाकू छोड़ने का दिया परामर्श

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में रविवार को 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं 05 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 239वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। आयोजित मेले में 51 चिकित्सकों एवं 173 पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा कुल 2612 रोगियों का निःशुल्क उपचार किया गया। इनमें 1139 पुरुष, 1014 महिला एवं 459 बच्चे शामिल रहे। आरोग्य मेला सत्रों के दौरान आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के अंतर्गत 117 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड भी बनाए गए। रोगियों में बुखार के 201, चर्म रोग के 477, दमा के 393, मधुमेह के 108, नेत्र रोग से संबंधित 23, उच्च रक्तचाप के 89 तथा अन्य बीमारियों के मरीजों की जांच एवं उपचार किया गया। बुखार से संबंधित 26 मरीजों की मलेरिया तथा 7 मरीजों की डेंगू जांच कराई गई, जिनकी रिपोर्ट नकारात्मक पाई गई। जनपद के सभी प्राथमिक

स्वास्थ्य केन्द्रों पर परिवार नियोजन (फैमिली प्लानिंग) परामर्श एवं सामग्री वितरण हेतु पृथक काउंटर स्थापित किए गए। जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार समस्त आशाओं द्वारा सोर्स रिडक्शन एवं संचारी रोगों से बचाव के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। वहीं एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत 161 व्यक्तियों को तंबाकू छोड़ने का परामर्श दिया गया। आरोग्य मेला सत्रों में आए 23 रोगियों को टेलीमानस कंसल्टेंसी की सुविधा भी प्रदान की गई। जनपद में आयोजित समस्त आरोग्य मेला सत्रों का निरीक्षण मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक एवं अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा किया गया।

उच्च न्यायालय के न्यायाधीश व जिला जज ने किया थानों का औचक निरीक्षण

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में प्रशासनिक निरीक्षण के तहत इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल एवं जनपद न्यायाधीश डॉ. विदुषी सिंह ने पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार की उपस्थिति में शनिवार को थाना गुन्नौर, थाना धनारी एवं थाना चन्दौसी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान थानों में लगे सीसीटीवी कैमरों, ऑनलाइन ई-सम्मन, वारण्ट निष्पादन, यक्ष एप एवं सीसीटीएनएस प्रणाली के संबंध में विस्तृत जानकारी ली गई। साथ ही थानों पर प्रचलित

अभिलेखों की समीक्षा कर उनके सुव्यवस्थित संधारण की स्थिति का जायजा लिया गया। इसके अतिरिक्त महिला हेल्प डेस्क, मिशन शक्ति केंद्र एवं बालकक्ष का निरीक्षण करते हुए महिलाओं एवं बालिकाओं से संबंधित प्राप्त होने वाली शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया की जानकारी ली गई। हवालात की स्थिति, साफ-सफाई एवं सुरक्षा मानकों का भी अवलोकन किया गया। बैरक एवं थाना कार्यालय की स्वच्छता, अनुशासन एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को सुव्यवस्थित रख-रखाव एवं आवश्यक सुधार के लिए दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इस अवसर पर संबंधित थानों के क्षेत्राधिकारीगण भी उपस्थित रहे। निरीक्षण का उद्देश्य थानों में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना तथा आमजन को बेहतर पुलिस सेवा उपलब्ध कराना बताया गया।

हत्या का पुलिस ने किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को दिए लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के आदेश

बबराला/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन में जनपद में कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बबराला पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस के अनुसार 2 फरवरी को थाना बबराला क्षेत्र में धर्मवीर पुत्र जगवीर सिंह निवासी मोहल्ला आदर्श नगर, थाना गढ़मुक्तेश्वर, जनपद हापुड़ के भाई रविन्द्र की निर्मम हत्या कर दी गई थी।

अभियुक्तों द्वारा रविन्द्र को धारदार हथियारों व लाठी-डंडों से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया गया और बाद में घटना को सड़क दुर्घटना का रूप देने के उद्देश्य से शव को सड़क किनारे फेंक दिया गया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना बबराला पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया। घटना के खुलासे के लिए गठित थाना बबराला पुलिस टीम ने सक्रियता दिखाते हुए मुकदमा से संबंधित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में राहुल पुत्र नरेन्द्र (36) तथा राजेश पुत्र धर्मसिंह (34) शामिल हैं। दोनों अभियुक्तों को नूरपुर तिराहे से गिरफ्तार किया गया। पुलिस द्वारा अग्रिम कार्रवाई जारी है।

संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश

मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को दिए लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के आदेश

संभल(सब का सपना):- जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के उद्देश्य से शनिवार को जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया के निर्देशन में तथा मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में तहसील चंदौसी के सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित अधिकारियों को

मौके पर ही निर्देश दिए कि शिकायतों को लंबित न रखा जाए तथा प्रत्येक प्रकरण का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों की सुनवाई करते हुए उन्होंने संबंधित थानाध्यक्षों को आवश्यक कार्रवाई एवं शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। तहसील चंदौसी में प्राप्त प्रार्थना पत्रों को लेकर मुख्य विकास अधिकारी ने स्पष्ट कहा कि सभी शिकायती पत्रों का संज्ञान लेकर संबंधित अधिकारी शत-प्रतिशत निस्तारण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि शिकायतों का निस्तारण निचले स्तर पर ही किया जाए, जिससे फरियादियों को अनावश्यक रूप से भटकना न पड़े। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, उप जिलाधिकारी चंदौसी आशुतोष तिवारी, क्षेत्राधिकारी चंदौसी मनोज कुमार सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मोटरसाइकिल से गिरकर महिला की दर्दनाक मौत, परिजनों में मचा कोहराम

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद सहारनपुर निवासी रश्मी पत्नी सोनू (40) की रविवार दोपहर बाइक से गिरकर दर्दनाक मौत हो गई। रश्मी अपने जीजा करणपाल शर्मा निवासी ईसापुर वरोरा के यहां आई हुई थी। जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर रश्मी किसी कार्य से अपने जीजा के साथ मोटरसाइकिल से पाठकपुर जा रही थी। जैसे ही उनकी बाइक ग्राम टिकटा के पास पहुंची, सड़क पर बने ब्रेकर पर

अचानक झटका लगने से रश्मी मोटरसाइकिल से नीचे गिर पड़ी और मौके पर ही बेहोश हो गई। हादसे के बाद वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और गंभीर अवस्था में रश्मी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहजोई ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद बताया कि महिला को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया था। महिला की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना से क्षेत्र में शोक की लहर है। पुलिस द्वारा मामले की आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

दिल्ली में अब काम करने वाली सरकार: 500 नई ईवी बसें जुड़ने पर बोले नितिन नवीन, विपक्ष पर भी साधा निशाना

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने रामलीला मैदान से 500 नई इलेक्ट्रिक (ईवी) बसों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन मौजूद रहे। नई बसों के शामिल होने से राजधानी के सार्वजनिक परिवहन बेड़े को और मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि रेखा गुप्ता सरकार ने एक वर्ष के भीतर 2,088 बसें सार्वजनिक परिवहन में जोड़ी हैं, जो सराहनीय उपलब्धि है। उन्होंने कहा, दिल्ली में पहले बात बनाने वाली सरकार थी, अब काम करने वाली सरकार है। यमुना सफाई पर सरकार को सराहा नितिन नवीन ने अपने छात्र

जीवन को याद करते हुए कहा कि उन्होंने भी दिल्ली से पढ़ाई की है और यमुना की स्थिति को लेकर हमेशा चर्चा होती रही है। यमुना की दशा देखकर दुख होता था। उन्होंने कहा कि, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारी सरकार ने यमुना को स्वच्छ बनाने का संकल्प लिया है और दिल्ली सरकार ने इस दिशा में काम शुरू कर दिया है, जो काबिले-तारीफ है। बाहरी लोग भी दिल्ली आकर कराएं इलाज स्वास्थ्य सेवाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने दिल्ली में आयुष्मान योजना लागू की है। उन्होंने कहा कि, पूर्व मुख्यमंत्री कहा करते थे कि बाहर के लोग दिल्ली इलाज कराने आते हैं। हमारी सोच है कि दिल्ली में इतनी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं कि न केवल यहां के नागरिक, बल्कि बाहर से आने वाले लोग भी यहां इलाज कराने को प्राथमिकता दें। ईयू और यूएस ट्रेड डील का उल्लेख उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार ने हाल ही में यूरोपियन यूनियन के साथ महत्वपूर्ण समझौता किया है और अमेरिका के साथ भी ट्रेड डील को अंजाम दिया है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम के अंत में नितिन नवीन ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से जनता के हित में इसी तरह कार्य करते रहने का आग्रह किया और आश्वस्त किया कि विकास कार्यों के लिए संसाधनों की कमी नहीं होने

प्रभारी मंत्री धर्मवीर प्रजापति की अध्यक्षता में प्रेस वार्ता आयोजित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में शनिवार को प्रभारी मंत्री एवं राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा धर्मवीर प्रजापति की अध्यक्षता में केंद्रीय बजट 2026-27 पर प्रेस वार्ता आयोजित की गई। मंत्री ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत यह नौवां बजट महिला सशक्तिकरण और समावेशी विकास का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि नई कर व्यवस्था

में 12 लाख रुपये तक की आय पर कोई कर देय नहीं होगा तथा विदेश यात्रा, शिक्षा और इलाज पर टीसीएस को 5 प्रतिशत से घटाकर 2 प्रतिशत किया गया है। कृषि क्षेत्र के लिए 1.63 लाख करोड़ रुपये का आवंटन, नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर, पीएम आवास योजना, शिक्षा व स्वास्थ्य क्षेत्र में कई अहम प्रावधान बजट की प्रमुख विशेषताएं हैं।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, भाजपा जिलाध्यक्ष हरेंद्र सिंह रिंकू सहित पार्टी पदाधिकारी, अधिकारी एवं पत्रकार उपस्थित रहे।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र में 10 मामलों का निस्तारण, 6 परिवारों में हुआ समझौता

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) अनुकृति शर्मा एवं क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में संचालित पुलिस परिवार परामर्श सुलह-समझौता केंद्र की नियमित बैठक शनिवार को पुलिस लाइन मंडी समिति बहजोई में आयोजित की गई। बैठक का आयोजन परिवार परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकमपाल सिंह की देखरेख में किया गया। इस दौरान पति-पत्नी के मध्य उत्पन्न आपसी विवादों को आपसी सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया गया। काउंसलर्स के सहयोग से कुल 30 पत्रावलियों की सुनवाई की गई, जिनमें से 10

पत्रावलियों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया। वहीं, 6 परिवारों के बीच आपसी सहमति बनाते हुए उन्हें पुनः मिलाया गया। इसके अतिरिक्त 4 पत्रावलियों को आवेदकों द्वारा आगे पैरवी न किए जाने के कारण बंद कर दिया गया। बैठक में काउंसलर श्वेता गुप्ता, सीमा आर्य, बबीता शर्मा सहित कांस्टेबल शहजाद मलिक, महिला हेड कांस्टेबल रश्मि गहलोत, महिला कांस्टेबल ज्योति आदि उपस्थित रहे।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र के माध्यम से परिवारों को टूटने से बचाने और आपसी संवाद के जरिए विवाद सुलझाने की इस पहल की सराहना की जा रही है।

हिन्द स्टेडियम में हुआ भव्य डॉग शो, देशभर से पहुंचे खूबसूरत कुत्ते

यूक्रेन से आई जज सहित गणमान्य अतिथियों ने किया उद्घाटन, विजेताओं को मिले पुरस्कार

संभल(सब का सपना):- नगर के हिन्द स्टेडियम मैदान में रविवार को भव्य डॉग शो का आयोजन किया गया, जिसमें देश के विभिन्न बड़े शहरों एवं राज्यों से आए बेहद खूबसूरत और उच्च कोटि के कुत्तों ने हिस्सा लिया। शो के दौरान विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। सम्भल केनल क्लब के तत्वावधान में आयोजित इस डॉग शो में एक से बढ़कर एक नस्ल के कुत्ते रिंग में उतरे और अपने शानदार प्रदर्शन से दर्शकों का मन मोह लिया। डॉग शो को देखने के

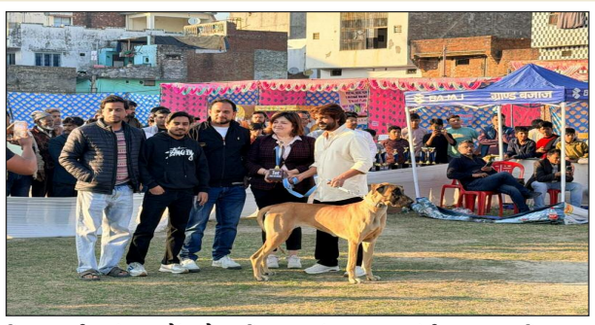

लिए भारी संख्या में लोग हिन्द स्टेडियम पहुंचे, जिससे पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। डॉग शो में दिल्ली, जयपुर, पंजाब, चंडीगढ़, पटियाला, हरियाणा, लखनऊ, मुरादाबाद, गाजियाबाद, बरेली, मुजफ्फरनगर सहित अनेक बड़े शहरों से डॉग ओनर्स अपने कुत्तों के साथ पहुंचे। कार्यक्रम का उद्घाटन यूक्रेन से आई अंतरराष्ट्रीय जज ओल्ग हेमलेफ्श, जज रजी अब्बास एवं मुख्य विकास अधिकारी गौरखनाथ भट्ट ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। कार्यक्रम में डॉ. सचिन सक्सैना चैरिटेबल ब्लड बैंक की डॉ. ऋतु सक्सैना का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार, डॉ. नीरज शर्मा, विरनम गुप्ता, आदेश शर्मा, प्रियंक शर्मा, नावेद हसन, अमन, मोहम्मद इमरान, डॉ. बीबी सिंह, मोहम्मद आसिफ, आशिक अली, वामिक कमर, योगेश कुमार, फारूक जमाल, अमित चंद्रा, हर्षित शर्मा, रहबर, सैयद शाहजेब, काशी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। डॉग शो में पूर्व चेयरमैन हाजी नुसरत इलाही का कुत्ता भी आकर्षण का केंद्र रहा। उनके भतीजे मोहम्मद शारिक ने रिंग में कुत्ते को उतारकर शानदार प्रदर्शन कराया, जिसके लिए उन्हें पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर आयोजकों की सराहना की गई।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 20 शिकायतें दर्ज, 4 का मौके पर निस्तारण

डीएम ने अधिकारियों को गुणवत्तापरक निस्तारण के दिए निर्देश

बिजनौर (सब का सपना):- जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कहा कि शासन के निदेशों के अनुरूप आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवस का मुख्य उद्देश्य एक ही स्थान पर जनसमस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापरक निस्तारण करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी शिकायत का मौके पर निस्तारण संभव न हो, तो उसे एक सप्ताह के भीतर पूर्ण गुणवत्ता के साथ निस्तारित किया जाना अनिवार्य है। जिलाधिकारी शुक्रवार को तहसील बिजनौर (सदर) में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता कर रही थीं। उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए उनका निष्पक्ष और मानक के अनुरूप निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। डीएम ने कहा

कि किसी शिकायत का बार-बार प्रस्तुत होना इस बात का संकेत है कि उसका समाधान सही ढंग से नहीं किया गया है।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे शिकायतों के निस्तारण के लिए मौके पर जाकर शिकायतकर्ता से संपर्क करें तथा स्थानीय लोगों से बातचीत कर समस्या की वास्तविकता की पुष्टि करें, जिससे निस्तारण अधिक प्रभावी हो सके। जिलाधिकारी ने चेतावनी देते हुए कहा कि जनशिकायतों के निस्तारण को लेकर प्रदेश सरकार अत्यंत संवेदनशील है और उच्च स्तर से इसकी गुणवत्ता की सीधी निगरानी की जाती है, इसलिए किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान कुल 20 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 4 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों के समयबद्ध और गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए गए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर रितु रानी, सीओ सिटी संग्राम सिंह, तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के जिला एवं तहसील स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

शादी वाले घर से लाखों के जेवरात चोरी, चपरासी पिता के अरमानों पर फिरा पानी

शिवाला कला/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना शिवाला कला क्षेत्र के गांव फिना में चोरों ने एक शादी वाले घर को निशाना बनाकर जमकर तांडव मचाया। चोर देर रात दीवार फांदकर घर में घुसे और संदूक व अटैची के ताले तोड़कर लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए। घटना के बाद से पीड़ित परिवार सदमे में है और पूरे गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। खाद सोसाइटी में चपरासी के पद पर कार्यरत अरविंद कुमार के घर 22 फरवरी को उनके बेटे की बारात जानी है। शादी की तैयारियों के बीच अज्ञात चोरों ने उनके घर को निशाना बनाया। रात के समय चोर दीवार फांदकर घर में दाखिल हुए और कमरे में रखे संदूक व अटैची के ताले तोड़ दिए। चोर सोने की चेन, कुंडल सहित भारी मात्रा में चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए। सुबह जब परिजनों की नींद खुली तो घर का सामान बिखरा पड़ा मिला और अलमारी-संदूक खुले देख उनके होश उड़ गए। शादी की खुशियां पल भर में मातम में बदल गईं और पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलते ही थाना शिवाला कला पुलिस और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित पक्ष से तहरीर प्राप्त हो गई है और पुलिस टीम द्वारा मामले की गहन जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द घटना का सफल अनावरण कर चोरी गए माल की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी। उधर, क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं को लेकर ग्रामीणों में भय और पुलिस के प्रति रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने उच्चाधिकारियों से जल्द माल बरामद करने और चोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था पर लोगों का भरोसा कायम रह सके।

आम के हरे-भरे बागों पर फिर चला आरा

डीसीएम में भरकर बाहर भेजे गए पेड़

बिजनौर (सब का सपना):- एक बार फिर जिले में पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने का मामला सामने आया है। सिरधनी रोड पर पुलिया के समीप स्थित आम के हरे-भरे बागों पर अवैध रूप से आरा चलाया गया। आरोप है कि भू-माफियाओं द्वारा आम के पूरे बाग को तेजी से कटवा दिया गया और कटे हुए पेड़ों को डीसीएम में भरकर जिले से बाहर भेजा जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार लंबे समय से फलदार और घने आम के पेड़ों से आच्छादित यह बाग क्षेत्र की पहचान था, लेकिन बीते कुछ दिनों में भारी मशीनरी और मजदूरों की मदद से पेड़ों की कटाई कर दी गई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि दिनदहाड़े आम के पेड़ों को काटा गया, लेकिन संबंधित विभागों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई होती नजर नहीं आई। ग्रामीणों और पर्यावरण प्रेमियों में इस अवैध कटान को लेकर भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि आम जैसे फलदार पेड़ों की कटाई न केवल पर्यावरण संतुलन को बिगाड़ती है, बल्कि क्षेत्र के तापमान, हरियाली और जैव विविधता पर भी प्रतिकूल असर डालती है। सूत्रों का दावा है कि आम के बाग को कब्जे में लेने और भूमि उपयोग बदलने की नीयत से भू-माफियाओं द्वारा यह कटान कराई गई है। पेड़ों को काटकर डीसीएम में भरकर बाहर भेजे जाने से पूरे मामले में सुनियोजित साजिश की आशंका भी जताई जा रही है।

स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन और वन विभाग से मामले की जांच कर अवैध कटान में शामिल लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही दोषियों पर जुमार्ना लगाने और दोबारा पौधरोपण कराने की मांग भी उठाई जा रही है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर पर्यावरणीय अपराध पर क्या रुख अपनाता है और जिम्मेदारों के खिलाफ कब तक कार्रवाई होती है।

बिहार मंत्री श्रवण कुमार ने अब्बास सलमानी को दिया टिकट

बिजनौर में जदयू दो सीटों पर लड़ेगी चुनाव, सदस्यता अभियान का आह्वान

बिजनौर(सब का सपना):- बिहार के ग्राम विकास एवं परिवहन मंत्री श्रवण कुमार रविवार को धामपुर क्षेत्र के मिलक जहांगीराबाद गांव पहुंचे। उनके आगमन पर धामपुर पुलिस ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानपूर्वक स्वागत किया। मंत्री ने यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए वरिष्ठ समाजसेवी अब्बास सलमानी को जनता दल यूनाइटेड (जदयू) की ओर से चुनाव लड़ाने की घोषणा की। जनसभा को संबोधित करते हुए मंत्री श्रवण कुमार ने लोगों से जदयू से जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि जदयू आम जनता की पार्टी है और समाज के हर वर्ग के हितों के लिए काम कर रही है। उन्होंने पार्टी के सदस्यता अभियान को गति देने का भी आह्वान किया। इस दौरान मंत्री ने बिजनौर जनपद में जदयू के चुनाव लड़ने की रणनीति भी स्पष्ट की। उन्होंने बताया कि पार्टी बिजनौर जनपद में दो सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। कार्यकताओं से अधिक से अधिक लोगों को पार्टी की सदस्यता दिलाने का आग्रह किया गया। श्रवण कुमार बिहार राज्य में लगातार सात बार विधायक रह चुके हैं और राज्य सरकार में कई महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनके इस राजनीतिक ऐलान के बाद बिजनौर की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। अब्बास सलमानी के समर्थकों में भी उत्साह देखा गया। कार्यक्रम में आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग मंत्री का भाषण सुनने पहुंचे। आयोजन स्थल पर जलपान की व्यवस्था की गई थी, जबकि कार्यक्रम के दौरान पुलिस द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

अनुमति 35 की और काट दिए 60 पेड़, बिजनौर वन विभाग की चुप्पी पर उठे सवाल

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के चांदपुर रेंज में वन माफिया और विभागीय कार्यप्रणाली के बीच एक बड़ा मामला सामने आया है। खानपुर अजदेव पाडला रोड पर लगभग 60 लहलहाते आम के पेड़ों को बेरहमी से काट दिया गया, जबकि कागजों में अनुमति इससे कहीं कम थी। इस पूरे प्रकरण में खुद वन क्षेत्राधिकारी दुष्यंत सिंह ने स्वीकार किया है कि विभाग द्वारा केवल 35 पेड़ों के कटान की अनुमति दी गई थी। सवाल यह उठता है कि यदि अनुमति 35 की थी, तो मौके पर 60 पेड़ों पर आरा कैसे चल चल गया? लगातार रेंजर और डीएफओ (DFO) बिजनौर को इस अवैध कटान से अवगत कराया जा रहा था, लेकिन खबर लिखे जाने तक धरातल पर कोई बड़ी कार्रवाई नहीं हुई थी। अब पूरे जिले की नजरें जिलाधिकारी बिजनौर, जसजीत कौर पर टिकी हैं कि क्या वह इस 'ग्रीन मर्डर' और विभागीय शिथिलता का संज्ञान लेकर दोषियों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करेंगी? साथ ही सवाल यह भी है कि क्या विभाग की नाक के नीचे 25 अतिरिक्त पेड़ काटना बिना मिलीभगत के संभव है? सूचना मिलने के 24 घंटे बाद भी लकड़ी और ठूंठों की पैमाइश कर FIR दर्ज क्यों नहीं की गई? क्या कार्रवाई में देरी करके दोषियों को साक्ष्य मिटाने का समय दिया जा रहा है? वहीं क्षेत्र के पर्यावरण प्रेमियों और ग्रामीणों ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाले वृक्षारोपण अभियान के बीच इस तरह अवैध कटान होगा, तो हरियाली कैसे बचेगी?

धनौरा क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर "मुख्यमंत्री आरोग्य मेले" का आयोजन

जिला क्षय रोग अधिकारी ने स्वास्थ्य केंद्रों पर जांची व्यवस्थाएं

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के तहसील धनौरा ब्लॉक क्षेत्र स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर शासन के निर्देश अनुसार रविवार को 'मुख्यमंत्री आरोग्य मेले' का आयोजन कराया गया। इस दौरान गाजियाबाद के जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ अनिल यादव और जिला समन्वयक राघवेंद्र सिंह चौहान की टीम ने स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत परखने के लिए विभिन्न केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। बता दें कि निरीक्षण की शुरूआत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चुचैला कलां से हुई, जहाँ डॉ निशिका, नरेश कुमार और विनती ड्यूटी पर तैनात मिले। टीम ने दवाइयों की उपलब्धता और मरीजों के पंजीकरण की बारीकी से जांच की। सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं, हालांकि सफाई व्यवस्था को और बेहतर करने के लिए स्वीपर विनीता को कड़े निर्देश दिए गए। इसके बाद टीम कमेलपुर केंद्र पहुँची, जहाँ डॉ. स्वाति, वार्ड बॉय रवीन्द्र और स्वीपर कमल उपस्थित मिले। यहाँ की व्यवस्थाएं भी मानक के अनुरूप पाई गईं।निरीक्षण कड़ी में टीम शेरपुर स्वास्थ्य केंद्र पहुँची। यहाँ डॉ. रामशंकर, मीनू, वार्ड बॉय रहीसउद्दीन और स्वीपर राजकुमार मुस्तैद मिले और कार्य संतोषजनक पाया गया। वहीं, ढयौटी केंद्र के निरीक्षण के दौरान डॉ. प्रज्ञा, रानेश भारती और मनोज स्वीपर कार्यस्थल पर उपस्थित थे। यहाँ डॉ. अनिल यादव ने फार्मासिस्ट दानिश को दवाइयों के उचित रखरखाव और स्टॉक रजिस्टर को समय पर अपडेट करने के सख्त आदेश दिए।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मरीजों से बातचीत कर मिल रही सुविधाओं का फीडबैक भी लिया।

इस अवसर पर डॉ. राहुल कुमार, अभिषेक वर्मा, हृदयेश कुमार, शैली यादव, कृष्ण कुमार, अमित कुमार और भारत सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। टीम ने स्पष्ट किया कि लापरवाही बरतने वाले कर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है।

शिविर का चौथा दिन मतदाता जागरुकता अभियान के रूप में मनाया

हल्दौर/बिजनौर (सब का सपना):- क्षेत्र के गांव इनामपुरा के प्राथमिक विद्यालय में आरएचएस इंटर कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना प्रथम इकाई की रविवार को तृतीय दिवस मतदाता जागरुकता अभियान के रूप में मनाया गया है। कार्यक्रम के आरंभ में स्वयंसेविकाओं द्वारा लक्ष्य गीत गाया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ ज्योति राय ने स्वयंसेविकाओं को राजतंत्र तथा प्रजातंत्र में अंतर बताते हुए कहा कि मतदान हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। हमें इसका उपयोग जरूर करना चाहिए एवं दूसरों को भी मतदान के लिए प्रेरित करना चाहिए। श्रद्धा मिश्रा ने स्वयंसेविकाओं को कहा कि हम एक लोकतांत्रिक देश के स्वतंत्र नागरिक हैं, लोकतांत्रिक प्रणाली के तहत जितने अधिकार नागरिकों को मिलते हैं, उनमें सबसे बड़ा व महत्वपूर्ण अधिकार है। इसके पश्चात स्वयंसेविकाओं ने ग्राम इनामपुरा में एक मतदाता जागरुकता रैली निकालकर लोगों को मतदान के प्रति जागरुक किया। रैली का मुख्य उद्देश्य ग्रामवासियों को मतदान हेतु जागरूक करना तथा विशेष गहन पुनरीक्षण के विषय में घर- घर जाकर जानकारी दी गई।इस अवसर पर अवनीश कुमार, सुधीर कुमार, ज्योति रानी,आदि मौजूद रहे।

बिजनौर में रेस्टोरेंट सील, अश्लील वीडियो बनाने का आरोप

युवक-युवतियों की गोपनीय रिकॉर्डिंग के मामले में केस दर्ज

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना क्षेत्र में सेंटर पॉइंट रेस्टोरेंट को पुलिस ने सील कर दिया है। रेस्टोरेंट पर युवक-युवतियों के गोपनीय अश्लील वीडियो बनाने और उन्हें ब्लैकमेल करने का आरोप है। पुलिस ने रेस्टोरेंट के लाइसेंस रद्द करने की रिपोर्ट भी एसडीएम को भेजी है। आरोप है कि रेस्टोरेंट में एक केबिन में जोड़ों को पैसे लेकर बैठाया जाता था। वहां हिडन कैमरे से उनकी अश्लील वीडियो रिकॉर्ड की जाती थी। एक युवक को ब्लैकमेल किए जाने के बाद यह मामला सामने आया। यह रेस्टोरेंट बिजनौर कोतवाली शहर क्षेत्र के जजी चौक चौराहे के पास स्थित है, जिसका संचालन एक महिला वकील करती हैं। मामले में रेस्टोरेंट के कर्मचारी सतेंद्र कुमार का नाम सामने आया है। उसके मोबाइल फोन से सैकड़ों अश्लील वीडियो और फोटो मिलने की जानकारी मिली थी। शुक्रवार रात सिविल लाइन चौकी इंचार्ज कुलवीर सिंह की ओर से शहर कोतवाली में कर्मचारी सतेंद्र और अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया गया। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है, लेकिन वह अभी फरार है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्टोरेंट को सील कर दिया।सीओ सिटी संग्राम सिंह ने बताया कि सेंटर पॉइंट रेस्टोरेंट से जुड़ा एक मामला सामने आया था, जिसमें कर्मचारियों द्वारा युवक-युवतियों की गोपनीय तरीके से वीडियो और फोटो बनाने तथा उन्हें वायरल करने की जानकारी मिली। इस प्रकरण का संज्ञान लेते हुए शहर कोतवाली में केस दर्ज किया गया है। पूरे मामले की गहनता से जांच की जा रही है और जो भी लोग इसमें शामिल पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी कार्मिकों से दुर्व्यवहार पर निर्वाचन आयोग सख़्त

अफवाह फैलाने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई : जिलाधिकारी

बिजनौर (सब का सपना):- भारत निर्वाचन आयोग ने एसआईआर (विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण) कार्य के दौरान सरकारी अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार, संदेह उत्पन्न करने और झूठी अफवाहें फैलाने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख़्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी श्रीमती जसजीत कौर ने बताया कि निर्वाचन आयोग ने ऐसे तत्वों के विरुद्ध कड़ी दंडात्मक कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश दिए हैं।

जिलाधिकारी ने बताया कि कुछ असामाजिक तत्व फार्म-7 के माध्यम से मतदाताओं के नाम हटाए जाने को लेकर भ्रम और संदेह फैला रहे हैं, जो पूर्णतः निराधार और भ्रामक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची से नाम हटाने की भारत निर्वाचन आयोग की एक निर्धारित एवं पारदर्शी प्रक्रिया है, जिसके तहत उचित सुनवाई के बाद ही कोई निर्णय लिया जाता है। फार्म-7 से संबंधित दैनिक डेटा आयोग के निर्धारित पोर्टल पर नियमित रूप से जारी किया जाता है। उन्होंने बताया कि किसी मतदाता का नाम मृत्यु, स्थायी रूप से अनुपस्थित होने, एक ही या किसी अन्य स्थान पर पहले से मतदाता सूची में दर्ज होने अथवा भारतीय नागरिक न होने की स्थिति में फार्म-7 के माध्यम से हटाया जा सकता है। जिलाधिकारी ने प्रक्रिया को स्पष्ट करते हुए बताया कि यदि फार्म-7 के माध्यम से किसी मतदाता के नाम पर आपत्ति प्राप्त होती है, तो संबंधित बीएलओ पहले उसे पोर्टल पर अंकित (डिजिटाइज) करता है। इसके पश्चात इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर द्वारा आपत्तिकर्ता तथा संबंधित मतदाता–

दोनों को लिखित नोटिस जारी किया जाता है। मौका मुआयना एवं तथ्यों के परीक्षण के आधार पर ही अंतिम निर्णय लिया जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि फार्म-7 जमा करने का अधिकार केवल उसी व्यक्ति को है, जिसका नाम संबंधित विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में पहले से दर्ज हो। फार्म भरते समय आपत्तिकर्ता को अपना नाम व मतदाता पहचान पत्र संख्या अंकित करना अनिवार्य होता है, साथ ही जिस मतदाता के विरुद्ध आपत्ति की जा रही है उसका नाम एवं आपत्ति का स्पष्ट कारण भी दर्ज करना होता है। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रपत्र 6, 6ए, 7 और 8 से संबंधित आंकड़े प्रत्येक सप्ताह राजनीतिक दलों के साथ होने वाली बैठकों में साझा किए जाते हैं तथा इन सभी प्रपत्रों की प्रतिदिन की सूची जिले की वेबसाइट पर भी अपलोड की जाती है। उन्होंने दो टूक कहा कि जिला प्रशासन एसआईआर की संपूर्ण प्रक्रिया को निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूर्णतः पारदर्शी, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकारी कार्यों में बाधा डालने, अभिलेखों को नष्ट करने, बीएलओ, वीआरसी ऑपरेटर, अभिकताओं एवं तहसील व ब्लॉक स्तर के अधिकारियों को डराने-धमकाने अथवा उनके साथ किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में मंडल रोजगार मेला 10 को

रेवाड़ी। मंडल रोजगार कार्यालय गुरुग्राम और केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ द्वारा हरियाणा युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग राज्यमंत्री गौरव गौतम की अध्यक्षता में केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में 10 फरवरी 2026 को सुबह 10 बजे मंडल स्तर के मेगा रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। इस रोजगार मेला में 30 से अधिक कंपनियां भाग ले रही है। सहायक जिला रोजगार अधिकारी दिनेश तंवर ने जानकारी देते हुए बताया कि इस रोजगार मेला में 10वीं, 12वी, स्नातक (बीए, बीकॉम, बीएससी, बीटेक, बीसीए, बीबीए, बीफार्मा आदि तथा स्नातकोत्तर (एमए, एमकॉम, एमएससी, एमटेक, एमबीए, एमसीए, एम फार्मा आदि) व डिप्लोमा पास बेरोजगार प्रार्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जाएंगे। उन्होंने इच्छुक प्रार्थियों से अनुरोध किया कि वे अपने रोजगार कार्यालय का पहचान पत्र (पंजीकरण कार्ड), योग्यता के दस्तावेज व रिज्यूम के साथ इस रोजगार मेला का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। सहायक जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि जिला के जिन प्रार्थियों का पंजीकरण रोजगार कार्यालय में नहीं है वह भी रोजगार विभाग के पोर्टल hrex.gov.in पर पंजीकरण करने उपरांत इस रोजगार मेला में भाग ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि पंजीकरण का कार्य जिला रोजगार कार्यालय में भी उपलब्ध है।

दहेज उत्पीड़न के चलते विवाहिता ने लगाई फांसी

- पति सहित 5 के खिलाफ केस दर्ज, आरोपी फरार

हथीन/ : समीपवर्ती गांव रींडका में शनिवार को एक विवाहिता ने अपने गले में फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली थी। इस संदर्भ में मृतका के पीड़ित पिता महिपाल निवासी सिहोल की शिकायत पर पुलिस ने पति सहित 5 लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार सिहोल निवासी महिपाल ने हथीन पुलिस को लिखित रूप में शिकायत कर कहा है कि 26 अप्रैल 2019 को उसने अपनी दो बेटियों ज्योति और अनीता की शादी रींडका निवासी यशपाल व गौरव के साथ हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार की थी। शादी में अपनी हैसियत के अनुसार दान दहेज दिया था। लेकिन शादी के पश्चात से ही उसकी दोनों बेटियों को दहेज की मांग को लेकर ससुराल पक्ष वाले परेशान करने लगे तथा बुलेट मोटरसाइकिल की मांग करते थे। पीड़ित पिता ने अपनी शिकायत में कहा कि इस बारे में पलवल में पंचायतें भी हुई थीं, ससुराल वाले अपनी गलती मान कर लड़कियों को ले जाते थे। व फिर से बुलेट मोटरसाइकिल की मांग करते थे। जिनमें ससुर विरेंद्र , सास सविता , पति गौरव,जेठ यशपाल और ननद पूनम मिलकर दहेज की मांग करते थे। मेरी लडकी ने कहा कि मेरे पिता बहुत गरीब हैं वे मोटरसाइकिल देने में असमर्थ हैं। शनिवार को मुझे पता चला कि मेरी लड़की अनीता ने अपनी ससुराल वालों से तंग व परेशान होकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। मेरी लडकी अनीता ने गले में चुन्नी का फंदा लगाकर पंखा से लटकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। शहर चौकी इंचार्ज अनिल कुमार ने बताया कि शिकायत के आधार पर नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है तथा आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं आरोपी फरार हैं।

शिक्षा प्रगति और विकास का सबसे सशक्त माध्यम: कैबिनेट मंत्री

हिसार / हरियाणा सरकार में लोकनिर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने रणबीर गंगवा ने कहा है कि शिक्षा ही समाज, प्रदेश और राष्ट्र की प्रगति का सबसे सशक्त माध्यम है। आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहकर नैतिक मूल्यों, अनुशासन और संस्कारों को भी अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। रविवार को गांव गंगवा स्थित पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आयोजित वार्षिक समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर विद्यालय प्रबंधन समिति, शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों द्वारा मुख्य अतिथि का फूल-मालाओं के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया गया। कैबिनेट मंत्री ने विद्यार्थियों से लक्ष्य निर्धारित कर कठिन परिश्रम, लगन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने शैक्षणिक, खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया और कहा कि प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनता है, जिससे उनमें आगे बढ़ने की नई ऊर्जा का संचार होता है। कैबिनेट मंत्री ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शिक्षकों की भूमिका की भी सराहना की। उन्होंने विद्यालय परिसर में ऑडिटोरियम के निर्माण और कक्षाओं में डिजिटल बोर्ड लगवाने का आश्वासन देते हुए कहा कि स्कूल से संबंधित जो भी कार्य होंगे उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूरा करवाया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिनकी मुख्य अतिथि ने प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उनमें छिपी प्रतिभा को निखारने का अवसर प्रदान करते हैं। वार्षिक समारोह के उपरांत कैबिनेट मंत्री ने विद्यालय परिसर में ही ग्रामीणों एवं स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने पेयजल, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित विभिन्न जनसमस्याओं पर अधिकारियों से चर्चा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र एवं प्राथमिकता के आधार पर समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनहित के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और आमजन की समस्याओं का समाधान सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर गंगवा के सरपंच भगवानदास, चेयरमैन अजय गावड़, सुरेंद्र मंडा, पूर्व चेयरमैन भूपेंद्र गंगवा, पार्षद मनोज टांक, सरपंच मांगे राम, सरपंच वजीर, हनुमान वर्मा, राजेंद्र, सतनारायण, महावीर पंघाल, दीपक, जिला शिक्षा अधिकारी वेद प्रकाश दहिया, प्रिंसिपल जय भगवान, ओमप्रकाश डाबला, प्यारेलाल, डीपीसी विजेंद्र, अमनदीप तथा एसएमसी की प्रधान मीना देवी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी, अभिभावक तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

केन्द्र का बजट विकसित भारत बनाने की दिशा में बड़ा कदम : सतीश दुबे

हिसार / केंद्रीय राज्य मंत्री सतीश दुबे ने ने हाल ही में केन्द्र सरकार की ओर से पेश किए गए बजट को विकास को गति देने वाला बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट वर्ष विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में उठाया गया बड़ा कदम है। केंद्रीय राज्य मंत्री सतीश दुबे रविवार को भाजपा जिला कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बजट में विभिन्न वर्गों को राहत देने वाला, हर वर्ग के हितों का ख्याल रखने वाला व देश को विकास की ओर ले जाने वाला बजट है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने देश को वर्ष 2047 तक विकसित बनाने का जो लक्ष्य रखा है, उसके लिए जरूरी है और हर वर्ग को साथ लेकर चला जाए ताकि देश को विकसित बनाने में हर वर्ग की भागीदारी हो। केन्द्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि बजट में कमियां केवल वे ही लोग निकाल रहे हैं, जिन्होंने अपने समय में कमियां छोड़ी थी और जो जनता को साथ लेकर नहीं चले लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सबका साथ, सबका विकास व सबका विश्वास के ध्येय के साथ आगे बढ़ रहे हैं और जनता को भरपूर समर्थन भाजपा सरकार को मिल रहा है। एक सवाल के जवाब में केंद्रीय राज्य मंत्री सतीश दुबे ने कहा कि अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील से विकास के नए रास्ते खुलेंगे, व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष का काम केवल यही रह गया है कि वह सरकार के हर काम में मिन मेख निकाले। बजट आता है तो विपक्ष के लोग बजट की आलोचना करते हैं और अब जब अमेरिका से ट्रेड डील हो गई तो विपक्ष के लोग उसकी आलोचना में लग गए। उन्होंने कहा कि केन्द्र की भाजपा सरकार हर कदम व हर फैसला भारत के सुनहरे भविष्य के लिए कर रही है और पहली बार देश सुरक्षित हाथों में हैं। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि इससे पहले जिला कार्यालय पहुंचने पर जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़, सहित अन्य पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। पत्रकार वार्ता में मुख्य रूप से उपरोक्त के अलावा बजट टोली के जिला संयोजक अशोक मित्तल, महामंत्री आशीष जोशी व कृष्ण सरसाना, मेयर प्रवीण पोपली

त्यागमूर्ति माता रमाबाई अंबेडकर जयंती हर्षोल्लास से मनाई

रेवाड़ी। विश्वविख्यात महान दार्शनिक, विचारक, समाज प्रवर्तक एवं संविधान निमार्ता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की धर्मपत्नी, त्याग एवं संघर्ष की प्रतिमूर्ति माता रमाबाई अंबेडकर जी की जयंती माता रमाबाई सामाजिक उत्थान संस्था, अंबेडकर भवन, आजाद नगर गली नंबर-3, रेवाड़ी में बड़े हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाई गई। प्रेस सचिव बहादुर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि जयंती समारोह की मुख्य अतिथि डॉ. निर्मल भागोतिया (डेंटल सर्जन) रहीं, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज सेविका श्रीमती माया देवी ने की। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती सुमित्रा अहेरोदिया के कुशल संचालन में किया गया।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में एडवोकेट री कुसुमलता नगर पार्षद नेहा रिका चौधरी ने गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के प्रधान इंजीनियर बुद्धराम पवार ने मंचासीन अतिथियों, उपस्थित बुद्धिजीवियों, नारी शक्ति एवं बच्चों का स्वागत करते हुए सभी को माता रमाबाई अंबेडकर जयंती की हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि माता रमाबाई का जीवन त्याग, सेवा, धैर्य और संघर्ष की अनुपम मिसाल है तथा उनके योगदान के बिना बाबा साहेब के महान कार्यों की कल्पना अधूरी है। कार्यक्रम का संचालन कर

रही सुमित्रा अहेरोदिया ने सभी मंचासीन अतिथियों एवं उपस्थित जनों को माता रमाबाई अंबेडकर तथा डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित करने हेतु आमंत्रित किया। सभी ने मिलकर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए भाषण, नृत्य, कविता, देशभक्ति गीत एवं राष्ट्रगान प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि डॉ. निर्मल भागोतिया ने अपने संबोधन में कहा कि माता रमाबाई भले ही औपचारिक रूप से शिक्षित नहीं थीं, परंतु उन्होंने अपने त्याग और समर्पण से एक सामान्य मानव को महापुरुष बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब को विश्वविख्यात बनाने के लिए माता रमाबाई ने अपने चार संतानों के असमय निधन का दुख सहते हुए भी उन्हें शिक्षा और समाज सेवा के मार्ग से विचलित नहीं होने दिया। मात्र 37 वर्ष की अल्पायु में उनका निधन हो गया, और इसी महान त्याग के कारण वे त्यागमूर्ति के रूप में विख्यात हुईं। इस अवसर पर रेखा दहिया, अभय सिंह ढेहिनवाल, महेश दत्त, राजकुमार जलवा हिमांशु अहेरोदिया काशीराम आचार्य, आर.पी. मेहरा, एडवोकेट कुसुमलता सुकंतला देवी तथा नेहा रिका चौधरी सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भी सभा को संबोधित किया।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में माया देवी ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं उपस्थित जनसमूह का धन्यवाद करते हुए त्यागमूर्ति माता रमाबाई अंबेडकर के जन्मदिवस पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं तथा समाज में शिक्षा, जागरूकता और महिला सशक्तिकरण के संदेश को आगे बढ़ाने का आह्वान किया ।

आरती ने साबित किया वह है तजुबेकार खिलाड़ी

रेवाड़ी: होनहार बिरवान के होत चिकने पात" यह लोकोक्ति प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव पर सटीक बैठती है। आरती राव ने पहली बार वर्ष 2024 में विधानसभा का चुनाव अटेली से लड़ा और विधायक चुनी गई। पहली बार सरकार में उन्हें स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री बनाया गया। स्वास्थ्य मंत्री बनने के तुरंत बाद से ही उन्होंने स्वास्थ्य विभाग में बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने पर पूरा ध्यान केंद्रित किया जिसके परिणाम आने भी शुरू हो गए। आरती राव ने प्रदेश में चिकित्सकों की कमी को पूरा करने के लिए 1500 से अधिक चिकित्सकों की भर्ती की गई जो उनका एक बड़ा कदम माना जा रहा है। सरकारी अस्पतालों में मुफ्त डायलिसिस सेवा शुरू करने की घोषणा को प्रदेश भर में सराया गया। जिला तथा उपमंडलीय अस्पतालों की संख्या 56 से बढ़कर 74 की गई। इसी के साथ 785 चिकित्सा सुविधाओं को भी अपग्रेड किया जा

प्रदेश में पटरी पर लौटने लगी स्वास्थ्य सेवाएं -
बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर फोकस -
आरती के बढ़ते कदम से राजनीतिक विरोधियों में बेचैनी-
प्रदेश बनेगा स्वास्थ्य हब:-
अनिल रायपुर-

रहा है। टीवी और कैंसर के मरीजों के लिए 'निक्षय पोषण योजना' के तहत एक हजार की मासिक सहायता और कैंसर मरीजों को सरकारी बसों में मुक्त यात्रा की सुविधा प्रदान की गई। मरीज का डाटा डिजिटल रूप से संरक्षित करने के लिए स्वास्थ्य संस्थानों में आयुष्मान भारत मिशन को लागू किया गया जो एक बड़ी उपलब्धि है। आरती राव जिस तरह से कार्य कर रही है उनके खास समर्थक भी अब उनकी उपलब्धियां को आम जनता के बीच पहुंच रहे हैं। राव परिवार के खास समर्थक अनिल रायपुर ने रेवाड़ी जिले को स्वास्थ्य सेवाओं में दी गई सौगात के लिए स्वास्थ्य मंत्री आरती राव का आभार जताते हुए कहा आरती राव ने 68 एचएससी को मंजूरी दी जिसकी लागत38.16.53 लाख रुपए हैं। वही 5 बीपीएचयू को मंजूरी दी गई जिसकी लागत 313.88 लाख रुपए है। इसके साथ-साथ 7 पीएचसी को भी मंजूरी दी गई जिसकी लागत 2986.68 लाख रुपए है। इसके साथ-साथ एक सीएससी को भी मंजूरी दी गई है जिसकी लागत भी 24.69.69 लाख रुपए है। इस तरह से 81 योजनाओं के लिए 9585.98 लाख रुपए मंजूर किए गए हैं।उन्होंने बताया कि गांव नाठेड़ा व सुरखपुर में भी सब हेल्थ सेंटर खोलने की भी घोषणा की गई है। धारूहेड़ा में यूएचसी खोलने की भी घोषणा की गई है। उन्होंने आरती राव का आभार जताते हुए कहा बावल विधानसभा के गांव झाबुआ में क्षेत्र की पुरानी मांग को पूरा करते हुए आयुर्वेदिक औषधालय खोलने की भी मंजूरी दी जिसके लिए आसपास के गांव के लोगों ने आरती राव का आभार व्यक्त किया। अनिल रायपुर ने कहा कि आरती राव ने मंत्रालय का पदभार संभालते ही बुनियादी ढांचे को मजबूत किया। प्रदेश बनेगा अब स्वास्थ्य हब! अनिल रायपुर ने कहा कि प्रदेश अब स्वास्थ्य हब बनने की ओर अग्रसर है। एमबीबीएस की सीटे 2700 पार के साथ ही एमडी की सीटों में भी 100 की बढ़ोतरी की गई है। प्रदेश के सरकारी अस्पतालों को अत्याधुनिक मशीनों से किया जा रहा है लैस. वही मार्च तक एफआरयू की संख्या भी 54 से बढ़कर 100 से अधिक की जा रही है।

इसके साथ-साथ भिवानी और कोरियावास में बन रहे मेडिकल कॉलेज तथा हॉस्टल के निर्माण कार्यों में भी तेजी लाई जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में बढ़ती ओपीडी इस बात की गवाह है कि सरकारी अस्पतालों के बुनियादी ढांचे में सुधार किया जा रहा है।

अवैध हथियार उपलब्ध कराने के मामले में एक और आरोपी को किया गिरफ्तार

रेवाड़ी। सीआईए प्रभारी निरीक्षक सुमेर सिंह की टीम ने अवैध हथियार उपलब्ध कराने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान राजस्थान के जिला खैरथल तिजारा के गांव बेरला निवासी जमशेद के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। जांचकर्ता ने बताया की 19 मई 2021 को पुलिस को सूचना मिली थी की सचिन उर्फ मोनू निवासी गांव खरसानकी अवैध हथियार रखता है। जो वह आज अवैध पिस्टल लेकर अपने घर के पास सड़क पर खडा है। जिस सूचना पर तुरंत रेडिंग पार्टी तैयार करके बताए हुए स्थान पर पहुंच कर आरोपी को काबू करके नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम सचिन उर्फ मोनू निवासी गांव खरसानकी बतलाया। पुलिस द्वारा आरोपी की तलाशी लेने पर 02 अवैध देशी पिस्टल व 01 जिन्दा रोंद बरामद हुआ। पुलिस द्वारा पूछताछ में आरोपी सचिन उर्फ मोनू ने बताया कि उसे यह अवैध हथियार जिला गुरुग्राम के गांव खण्डेवला निवासी अमित कुमार उर्फ डैंजर ने उपलब्ध करवाया था। जिस पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना रामपुरा में शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज करके मामले में संलिप्त दोनों आरोपी सचिन उर्फ मोनू व अमित कुमार उर्फ डैंजर को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। जो इस मामले में सीआईए रेवाड़ी ने शनिवार को मामले में संलिप्त एक और आरोपी राजस्थान के जिला खैरथल तिजारा के गांव बेरला निवासी जमशेद को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को पेश अदालत करके पूछताछ के लिए दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है।

कॉमर्स,मैनेजमेंट, कंप्यूटर साइंस विभाग व अंग्रेजी विभाग में किया प्रतियोगिताओं का आयोजन

रेवाड़ी । स्थानीय अहीर महाविद्यालय मे AICTE के निदेर्शानुसार एन. ई. पी. (2020) तथा इंडिया मिशन(2024)के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्रभारी डॉक्टर मिनाक्षी यादव ने बताया कि यह आयोजन बीबीए बीसीए तथा कॉमर्स के संयुक्त तत्वाधान में किया गया!आयोजित गतिविधियों का विषय" कृत्रिम बुद्धिमत्ता" तथा "क्षमता निर्माण" रहा! डॉ मीनाक्षी ने बताया कि ए.आई.इंडिया मिशन के तहत गत 3 फरवरी 2026 को पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया! दिनांक 5 व 6 फरवरी को ए. आई.प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता आयोजित की गई! जिसमें विद्यार्थियों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अर्थात कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर अपनी पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन देकर प्रतिभा को प्रदर्शित

किया! विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक अच्छी पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन दी तथा विषय को अपने -अपने ज्ञान अनुसार खुलकर साझा किया! 7 फरवरी को सेमिनार का आयोजन किया गया! सेमिनार में प्रस्तुति का विषय "साइंस व" ए.आई.सक्षम अनुसंधान व विकास" विषय रहा!विद्यार्थियों ने सेमिनार में " ए. आई. सक्षम अनुसंधान व विकास" विषय को अपनी पीपीटी के माध्यम से प्रदर्शित किया! डॉ मीनाक्षी यादव ने बताया कि आयोजित गतिविधियों में विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी दी विषय को बहुत अच्छे ढंग से समझा! इस अवसर पर बीबीए बीसीए वह कॉमर्स विभाग के सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे! 7 फरवरी को अंग्रेजी विभाग द्वारा महाविद्यालय में "कम्युनिकेशन स्किल्स" विषय पर विस्तृत व्याख्यान का आयोजन किया गया! मुख्य वक्ता डॉक्टर अनुपमा यादव (असिस्टेंट प्रोफेसर अगरसैन पी जी कॉलेज फॉर वूमेन झज्जर) रही! प्राचार्या डॉक्टर उर्मिला शर्मा ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन किया! डॉ रजनी यादव ने मुख्य वक्ता डॉक्टर अनुपमा यादव का विद्यार्थियों से परिचय करवाते हुए स्वागत किया !डॉक्टर अनुपमा यादव ने बताया कि किसी भी कार्य स्थल मे सफल होने के लिए कम्युनिकेशन स्किल की महत्वपूर्णता से विद्यार्थियों को अवगत कराया तथा अपनी बात को स्पष्ट तरीके से कहने और समझने की क्षमता को नित्य प्रति निखारने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला !बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स हमारी सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं !

21वीं सदी में कम्युनिकेशन का महत्व इस बात से पता लगाया जा सकता है कि हर कंपनी या संस्था किसी को भी भर्ती करने से पहले कम्युनिकेशन स्किल पर भी विशेष ध्यान देती है! व्याख्यान के अंत में प्रोफेसर मीनाक्षी गोयल (अंग्रेजी विभाग अध्यक्ष)ने मुख्य वक्ता का हार्दिक धन्यवाद किया! इस अवसर पर अंग्रेजी विभाग सहित सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे!

मारपीट करने के दोषी को एक साल की कैद और 50 हजार रुपये का जुमार्ना

रेवाड़ी। कुंड बैरियर स्थित एक सब्जी की दुकान पर काम करने वाले व्यक्ति के साथ मारपीट करने के मामले में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंकिता शर्मा की अदालत ने आरोपी गांव मनेठी निवासी विजयपाल को दोषी करार देते हुए एक साल कैद व 50 हजार रुपए जुमार्ना की सजा सुनाई है। 18 अक्टूबर 2020 को गांव मनेठी की रहने वाली मीना देवी ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया था कि उसका पति गोपीराम कुंड बैरियर स्थित जैनाबाद निवासी धोलू की दुकान पर काम करता था। 18 अक्टूबर को भी वह रोजाना की तरह दुकान पर काम करने के लिए गए थे। सुबह करीब 8 बजे गांव मनेठी निवासी विजयपाल ने बिना किसी कारण उनके पति गोपीराम के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गया। मीना देवी को उनके भाई नीलम ने इस घटना की जानकारी दी थी। परिजनों ने घायल गोपी राम को उपचार के लिए रेवाड़ी स्थित अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां से उसे रेफर कर दिया गया था। जिस पर पुलिस ने मीना देवी की शिकायत पर थाना खोल में आरोपी विजयपाल के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज करके जांच शुरू की थी। पुलिस ने आरोपी विजयपाल को गिरफ्तार कर लिया था। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दायर की। सभी दलीलें सुनने के बाद अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंकिता शर्मा ने आरोपी विजयपाल को दोषी करार देते हुए एक साल कैद और 50 हजार रुपए जुमार्ना की सजा सुनाई है।

रेवाड़ी में आयोजित हिंदू सम्मेलन: आरएसएस की शताब्दी यात्रा पर हुआ विचार-विमर्श

रेवाड़ी । जिले में शिवा बस्ती का हिंदू सम्मलेन शिव मंदिर देवलावास मंदिर परिसर में श्री राम हिन्दू सम्मलेन आयोजन समिति के तत्वावधान में एक भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में हिंदू समाज के लोग शामिल हुए। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य हिंदू एकता को मजबूत करना और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की 100 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा पर चर्चा करना था। सम्मेलन की अध्यक्षता प्रसिद्ध संत साधू रामानंद महाराज ने की, जबकि मुख्य अतिथि संतराम ने अपनी ओजस्वी वाणी से सभी को मंत्रमुग्ध किया। इस कार्यक्रम में आरएसएस की स्थापना से लेकर अब तक की उपलब्धियों और समाज में लाए गए पांच प्रमुख परिवर्तनों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। सम्मेलन की शुरूआत वेद मंत्रों के उच्चारण, हवन और राष्ट्रगान से हुई। महंत महावीर दास जी महाराज ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि हिंदू समाज को अपनी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखते हुए आधुनिक चुनौतियों का

सामना करना चाहिए। उन्होंने आरएसएस को राष्ट्र निर्माण का मजबूत स्तंभ बताते हुए कहा, "आरएसएस ने पिछले 100 वर्षों में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और सेवा के माध्यम से लाखों युवाओं को प्रेरित किया है। सम्मेलन इस यात्रा का एक हिस्सा है, जो हिंदू समाज को एकजुट करने का संदेश देता है।"

मुख्य वक्ता प्रदीप जिला प्रचारक रेवाड़ी ने आरएसएस की 100 वर्ष की यात्रा पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि आरएसएस की स्थापना 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा की गई थी, और यह संगठन आज दुनिया के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठनों में से एक है। डॉ सुमन यादव जी ने आरएसएस द्वारा लाए गए पांच प्रमुख परिवर्तनों पर विशेष जोर दिया। अपने वक्तव्य के दौरान उन्होंने संघ द्वारा प्रतिपादित पञ्च परिवर्तन–सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी जीवन शैली और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता–पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन पाँच परिवर्तनों को व्यवहार में अपनाकर समाज आत्मनिर्भर और सुदृढ़ बन सकता है। आज के समय में प्रत्येक नागरिक को इन विषयों पर आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, "आरएसएस की यह शताब्दी यात्रा सिर्फ एक संगठन की कहानी नहीं,

बल्कि पूरे हिंदू समाज की प्रगति की कहानी है। इन पांच परिवर्तनों ने भारत को एक मजबूत राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज हमें इनसे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए।" उनके भाषण ने श्रोताओं में जोश भर दिया और सभी ने तालियों से उनका स्वागत किया। इस सम्मेलन में विभिन्न वक्ताओं ने हिंदू समाज की वर्तमान चुनौतियों, जैसे धर्मांतरण, सांस्कृतिक आक्रमण और सामाजिक एकता पर भी चर्चा की। आयोजकों ने बताया कि यह कार्यक्रम आरएसएस की शताब्दी समारोह की श्रृंखला का हिस्सा है, जो पूरे देश में चल रहा है। रेवाड़ी जिले में यह सम्मेलन स्थानीय हिंदू संगठनों और आरएसएस शाखाओं के सहयोग से आयोजित किया गया। सम्मेलन में महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों की बड़ी संख्या में भागीदारी देखी गई। कार्यक्रम के अंत में सभी ने राष्ट्र की एकता और अखंडता की शपथ ली। आयोजक शिव मंदिर देवलावास कमेटी ने कहा कि ऐसे सम्मेलनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने मीडिया से अपील की कि इस तरह के कार्यक्रमों को प्रचारित कर हिंदू समाज की एकता को मजबूत किया जाए। यह सम्मेलन न केवल आरएसएस की उपलब्धियों का उत्सव था, बल्कि भविष्य के लिए एक मार्गदर्शक भी साबित हुआ। उम्मीद है कि ऐसे आयोजन आगे भी जारी रहेंगे और हिंदू समाज को नई दिशा प्रदान करेंगे।

कुल संख्या 1300 प्रसाद ग्रहण किया गत दिवस रविवार को जिले में हिंदू सम्मेलन के दस कार्यक्रम हुए । सभी कार्यक्रमों में क्षेत्रवासियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया महिलाओं द्वारा सभी स्थानों पर कलश यात्रा निकाली गई भंडारों का आयोजन किया गया। जिन स्थानों पर हिंदू सम्मेलन के कार्यक्रम हुए उनमें रेवाड़ी शहर में अनाज मंडी और देवलावास गांव, धारुहेड़ा गुर्जर घटाल और सैक्टर 4 दडोली आश्रम कुंड निमोहीं अखाड़े के महामंडलेश्वर श्री रामेश्वरदास जी महाराज विशेष रूप से कार्यक्रम में उपस्थित रहे टीट बाबा गोपाल दास आश्रम में कार्यक्रम आयोजित हुआ रालियावास में कार्यक्रम आयोजित हुआ कोसली के भाकली में कार्यक्रम आयोजित हुआ पाल्हावास के काकोडिया में क्रायर्कम आयोजित हुआ

टी20 विश्व कप : उलटफेर से बाल बाल-बचा इंग्लैंड, नेपाल के खिलाफ करीबी मुकाबले में दर्ज की जीत

मुंबई (एजेंसी)। दो बार की विश्व चैंपियन इंग्लैंड ने रविवार को यहां टी20 विश्व कप ग्रुप सी के बेहद रोमांचक मुकाबले में नेपाल की चुनौती से निपटते हुए अंत में चार रन की करीबी जीत दर्ज की। नेपाल इस मुकाबले में उलटफेर कर इतिहास रचने के बहुत करीब पहुंच गया था। उसने इंग्लैंड के सात विकेट पर 184 रन के जवाब में छह विकेट पर 180 रन बनाए। लोकेश बाम (20 गेंद में नाबाद 39 रन) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नेपाल की उलटफेर भरी जीत की उम्मीद बनाए रखी, लेकिन आखिरी ओवर में जीत नहीं दिला सके।

आखिरी ओवर में नेपाल को जीत के लिए 10 रन की दरकार थी, लेकिन नेपाल के लिए बाउंड्री नहीं लग सकी। इस तरह बल्ले से उनका शानदार प्रदर्शन करीबी हार से खत्म हो गया। सैम करन ने अंतिम ओवर में लगातार यॉर्कर फेंकीं और नेपाल की टीम सिर्फ पांच रन ही बना पाई। लेकिन फिर भी 17,000 से ज्यादा प्रशंसक वानखेड़े स्टेडियम में मौजूद थे और उन्होंने नेपाल को अपनी क्षमता से कहीं बेहतर प्रदर्शन करते देखा। कप्तान रोहित पौडेल (39), दीपेंद्र सिंह ऐरी (39), कुशाल भुर्तेल (29) और लोकेश बसम (चार चौके, दो छक्के) ने शानदार जज्बा दिखाया लेकिन वे अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए।

नेपाल को आखिरी तीन ओवर में 46 रन चाहिए थे तब बाम ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। उन्होंने जोफ्रा आर्चर के 18वें ओवर में दो छक्के और 19वें ओवर में ल्यूक वुड पर लगातार दो चौके लगाए। भुर्तेल ने शुरुआत में तेजी से रन जुटाए जबकि पौडेल और ऐरी के बीच तीसरे विकेट के लिए 82 रन की मजबूत साझेदारी ने नेपाल को मजबूती दी। नेपाल ने आसिफ शेख (07) के रूप में शुरुआती विकेट गंवा दिया था लेकिन भुर्तेल ने 17 गेंद में चार चौकों और एक छक्के की मदद से 29 रन बनाकर लय बनाई। लेकिन छठे ओवर में आउट हो गए।

14वें ओवर में पौडेल ने रन गति बढ़ाकर नेपाल को लक्ष्य की ओर अग्रसर किया। उन्होंने इंग्लैंड के सबसे सीनियर गेंदबाज राशिद खान के ओवर में छक्का और चौका लगाया। हालांकि ड्रिंक्स ब्रेक के बाद ऐरी और पौडेल की लय टूट गई। ऐरी ने 15वें ओवर में सैम करन की गेंद पर आउट हो गए। इसके तुरंत बाद पौडेल भी लियाम डॉसन की गेंद पर स्वीप शॉट खेलने की कोशिश में डीप मिडविकेट पर फिल साल्ट के हाथों कैच आउट हुए।

इससे पहले इंग्लैंड ने कप्तान हैरी ब्रूक (53 रन) और जैकब बेथेल (55 रन) के अर्धशतकों से सात विकेट पर 184 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। बाएं हाथ के युवा बल्लेबाज बेथेल ने टी20 विश्व कप पर्दापण में तेज अर्धशतक से शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 35 गेंद में चार छक्के और इतने ही चौके लगाए। कप्तान ब्रूक 32 गेंद में चार चौके और तीन छक्के की मदद से एक महत्वपूर्ण पारी खेलने के बाद आउट हो गए। उन्होंने बेथेल के साथ चौथे विकेट के लिए 71 रन की साझेदारी की। नेपाल के गेंदबाजों ने अपनी तरफ से कड़ी चुनौती पेश की।

शेर मल्ला ने अपने दूसरे ओवर की पहली गेंद पर फिल साल्ट (01) को कैच आउट करवाया तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। नंदन यादव ने पांचवें ओवर में जोस बटलर (26) का अहम विकेट लिया जो बेथेल के साथ मिलकर पारी को संभालने की कोशिश कर रहे थे। सातवें ओवर में इंग्लैंड ने तीसरा विकेट टॉम बैंटन के रूप में लिया जो स्पिनर संदीप लामिचाने को रिवर्स स्वीप करने की कोशिश में पगबाधा आउट हुए। इससे पहले बेथेल ने उनकी पहली चार गेंदों पर दो चौके और एक छक्का लगाया था। फिर बेथेल का साथ निभाने ब्रूक उतरे।

यह वही पिच है जिस पर शनिवार रात को

भारत ने 77 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे। हालांकि इंग्लैंड को निश्चित रूप से उस पिच पर बल्लेबाजी करने में कोई परेशानी नहीं हुई जिस पर कुछ गेंद रूककर आ रही थी। इंग्लैंड के बल्लेबाज काफी हद तक अपने शॉट खेलने में सफल रहे। हालांकि कोई भी भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव की तरह पारी नहीं खेल सका।

इंग्लैंड ने आखिरी तीन ओवरों में 45 रन बनाए जिसमें विल जैक्स चार छक्के और एक चौका लगाकर 18 गेंद में 39 रन बनाकर नाबाद रहे। मैदान में नेपाल के प्रशंसक भारी संख्या में मौजूद थे जो इंग्लैंड के प्रशंसकों की तुलना में कहीं ज्यादा थे। नेपाल के लिए दीपेंद्र सिंह ऐरी और नंदन यादव ने दो दो विकेट झटके। शेर मल्ला और संदीप लामिचाने ने एक एक विकेट प्राप्त किया।

ऑगर-अलियासिमे ने फ्रेंच क्वालिफायर ड्रोगेट को हराकर फाइनल में वापसी की

मोंटपेलियर (एजेंसी)। फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे ने शनिवार को मोंटपेलियर में ओपन ऑक्सिटानी में शानदार फिनिशिंग के साथ फ्रेंच क्वालिफायर टिटुआन ड्रोगेट का शानदार प्रदर्शन खत्म किया। टॉप सीड और डिफेंडिंग चैंपियन ने डिसाइडिंग सेट में अपना लेवल बढ़ाया और एटीपी 250 सेमीफाइनल में 6-4, 6-7(5), 6-1 से जीत हासिल की। ऑगर-अलियासिमे अपने 21वें टूर-लेवल फ़ाइनल और 13वें इनडोर फ़ाइनल में पहुँच गए हैं। कनाडाई खिलाड़ी के आठ करियर टाइटल में से सात इनडोर रहे हैं, और एटीपी टूर पर इस दशक में इन कंडीशन में उनकी 87 मैच जीत सबसे ज़्यादा हैं। 25 साल के खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे लगा कि दूसरे सेट में भी मेरा मौका आएगा, जो बड़ी सर्विस देने वाले ड्रोगेट के सामने मज़बूती से डटे रहे। यह अच्छा था कि मैंने पहला सेट जीता। इससे मुझे यह समझने का समय मिल रहा था कि उसे कैसे ब्रेक करना है। मुझे लगता है कि मैंने तीसरे सेट में बहुत बेहतर सर्व किया। मुझे लगता है कि मैंने दूसरे सर्व रिटर्न पर भी बेहतर रिटर्न किया। मैं बॉल को ज़्यादा सफाई से मार रहा था और सच में इसे अलग-अलग टारगेट पर अच्छी तरह से मार रहा था।' फ्रेंचमैन आर्थर फिल्स और ड्रोगेट को लगातार हराने के बाद, ऑगर-अलियासिमे का सामना फाइनल में एक और घरेलू उम्मीद एड्रियन मैनारिनो से होगा। मैनारिनो ने 1-6, 6-3, 6-4 से जीत के साथ अमेरिकी क्वालीफायर मार्टिन डैम का सिलसिला खत्म किया। 37 साल के फ्रेंचमैन ने धीमी शुरुआत से उबरते हुए अपने 16वें टूर-लेवल फाइनल और फ्रांस में पहले फाइनल में जगह बनाई। टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे उम्रदराज फाइनलिस्ट, मैनारिनो एटीपी लाइव रैंकिंग में 51वें नंबर पर हैं।

सूर्यकुमार विश्वकप में तेजी से 500 रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल हुए

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टी20 विश्वकप के अपने पहले ही मैच में अमेरिका के खिलाफ खेली अपनी 84 रनों की नाबाद पारी के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। सूर्यकुमार ने 84 रनों की अपनी इस पारी के साथ टी20 विश्वकप कप में अपने 500 रन पूरे किये हैं। अब उनके नाम इस आईसीसी टूर्नामेंट में 18 पारियों में 564 रन हो गए हैं। इसके साथ ही सूर्यकुमार तेजी से 500 रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गये हैं। सूर्या विश्व कप में 500 रन बनाने वाले छठे और सबसे कम पारियों में ये आंकड़ा हासिल करने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज हैं। इससे पहले ये आंकड़ा महेन्द्र सिंह धोनी और युवराज सिंह के अलावा विराट कोहली , रोहित शर्मा, गौतम गंभीर के नाम है।

वहीं सबसे तेजी से 500 रन का आंकड़ा विराट के नाम है। कोहली ने केवल 11 टी20 विश्व कप पारियों में 500 रन बनाये हैं। सूर्या इस सूची में रोहित शर्मा और गौतम गंभीर के बाद तीसरे स्थान पर है। गंभीर और रोहित संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं। सूर्यकुमार ने टी20 विश्व कप की 18 पारियों में 500 टी20 रन पूरे किए, वहीं युवराज ने 22 जबकि धोनी ने 28 पारियों में किया था।

सबसे कम पारियों में 500 रन बनाने वाले भारतीय

11-विराट कोहली
17- गौतम गंभीर
17 - रोहित शर्मा
18 - सूर्यकुमार यादव
22 - युवराज सिंह
28 - महेन्द्र सिंह धोनी

विराट, रोहित पर कोच गंभीर के दबाव बनानें की बातें गलत: सैकिया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के मुख्य कोच गौतम गंभीर से कोई मतभेद नहीं हैं। साथ ही कहा कि ये दोनो ही उस स्तर के खिलाड़ी हैं जिन्हें कोई भी दबाव बनाकर बाहर नहीं कर सकता है। इस प्रकार बोर्ड ने एक प्रकार से कोच गौतम गंभीर के रोहित शर्मा और विराट कोहली से मतभेदों की खबरों को खारिज कर दिया है। सैकिया ने कहा कि पिछले कुछ समय से ऐसी खबरें आ रही है कि गंभीर इन दोनो को बाहर होने के लिए मजबूर कर रहे हैं जो सही नहीं है। इससे पहले कई लोगों का आरोप था कि टी20 विश्वकप 2024 जीतने के बाद रोहित और विराट ने इस प्रारुप से संन्यास ले लिया था। इसके बाद टेस्ट क्रिकेट को भी छोड़ दिया। अब दोनों केवल एकदिवसीय ही खेलते हैं और इसमें भी उनपर दबाव बनाया जा रहा है।

सैकिया ने कहा कि लोगों की अपनी धारणा हो सकती है पर गंभीर क्या कोई भी विराट और रोहित जैसे खिलाड़ियों पर दबाव नहीं बना सकता है। उन्होंने कहा, 'ऐसी धारणा हो सकती है पर विराट हमेशा टीम में हैं। गंभीर भी टीम में हैं। हम परिणाम देखते हैं और कुछ नहीं।'

साथ ही कहा कि विराट पर टेस्ट से संन्यास लेने के लिए दबाव नहीं बनाया गया। उन्होंने कहा कि कोहली जैसे बड़े खिलाड़ी को कोई भी किसी फैसले के लिए मजबूर नहीं कर सकता। उनके जैसे खिलाड़ी को कोई भी बदलने या कोई फैसला लेने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। वह भारतीय क्रिकेट के सितारे हैं। जब तक वह स्वयं चाहें, कोई भी उन्हें किसी फैसले के लिए मजबूर नहीं कर सकता। बोर्ड किसी भी खिलाड़ी के करियर में हस्तपेक्ष नहीं करता है।

विराट और रोहित के टेस्ट से संन्यास के बाद उनके एकदिवसीय करियर को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही थीं। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुई सीरीज के बाद दोनों अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास से लेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। दोनो ने ही काफी अच्छा खेल दिखाकर अपने आलोचकों को शांत करा दिया. साथ ही कहा कि लोग क्या कहते हैं उसपर हम न तो जवाब दे सकते हैं न ही कुछ कर सकते हैं। सैकिया ने कहा कि दोनों के बीच सब कुछ सामान्य है और कोई लड़ाई नहीं हो रही है। सैकिया ने कहा.'मैंने कभी उन्हें लड़ते हुए नहीं देखा। दोनों के बीच बहुत अच्छा रिश्ता है।'

भारतीय टीम ग्रुप ए में पहले, वहीं पाक दूसरे नंबर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम टी20 विश्वकप के पहले ही मैच में अमेरिका के खिलाफ 29 रनों से मिली जीत के साथ ही अंक तालिका में नंबर एक पर पहुंच गयी हैं। वहीं पाकिस्तान टीम को अपने पहले ही मुकाबले में नीदरलैंड के खिलाफ मुश्किल से जीत मिली। फहीम अशरफ की पारी से टीम हालांकि अंतिम ओवर में तीन विकेट से जीती। इस जीत के साथ पाकिस्तान के ग्रुप ए में दो अंक हो गए हैं। टीम का नेट रन रेट प्लस 0.240 है। वहीं भारतीय टीम ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की 84 रनों की शानदार पारी के बाद कसी हुई गेंदबाजों की सहायता से विश्वप के अपने पहले ही मैच में अमेरिका को 29 रन से हराया। इस जीत के साथ भारत ने पाकिस्तान को ग्रुप ए की अंक तालिका में पीछे छोड़ दिया है। अब दोनो ही टीमों के दो-दो अंक हैं पर बेहतर रन औसत प्लस 1.450 के साथ ही भारतीय टीम पहले नंबर पर है। भारतीय टीम अब ग्रुप ए के अपने दूसरे मुकाबले में 12 फरवरी को नामीबिया से भिड़ेगी।

अफगानिस्तान में अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना विश्व कप जीतने से भी बड़ा सपना : राशिद खान

नई दिल्ली । अफगानिस्तान के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान भले ही दुनिया भर में क्रिकेट खेलकर कई उपलब्धियां हासिल कर चुके हों, लेकिन अपने देश में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का उनका सपना आज भी अधूरा है। युद्ध और अस्थिरता से प्रभावित अफगानिस्तान में अब तक एक भी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला आयोजित नहीं हो सका है। हालात इतने चुनौतीपूर्ण रहे कि टीम को अपने घरेलू मैच विदेशों में खेलने पड़ते हैं। भारत के ग्रेटर नोएडा, देहरादून और लखनऊ से लेकर यूएई के शारजाह और अबूधाबी तक, कई शहर लंबे समय तक अफगानिस्तान टीम के 'घरेलू मैदान' बने रहे। इसके बावजूद राशिद अपने इस सपने को छोड़ने को तैयार नहीं हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप 2026 मैच से पहले राशिद भावुक नजर आए। उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो यह हमारे लिए विश्व कप से भी बड़ा सपना है। अगर हम अफगानिस्तान में कोई अंतरराष्ट्रीय मैच खेल पाते हैं, तो दुनिया देखेगी कि वहां लोग खिलाड़ियों का कितना सम्मान करते हैं और क्रिकेट का कितना आनंद लेते हैं। अपने देश में खेलना किसी सपने से बढ़कर है।' राशिद ने बताया कि दुनिया के हर कोने में, खासकर आईपीएल के दौरान, उन्हें अपार प्यार मिलता है, लेकिन घरेलू दर्शकों के सामने खेलने का अनुभव अद्वितीय होगा। उन्होंने कहा, 'भारत में आईपीएल या अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हुए हमें हमेशा लगा कि लोग अपने सितारों को कितना प्यार देते हैं। हमें भी ढेर सारा स्नेह मिला है, खासकर 2023 विश्व कप में। लेकिन अफगानिस्तान में खेलना एक अलग एहसास देगा। तब दुनिया हमारे देश की खूबसूरती भी देखेगी।' राशिद को उम्मीद है कि एक दिन ऐसा माहौल जरूर बनेगा, जब कोई अंतरराष्ट्रीय टीम अफगानिस्तान में सीरीज खेलने पहुंचेगी।

टी20 विश्वकप : सिफर्ट के अर्धशतक से न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान को 5 विकेट से हराया

ला नुसिया (एजेंसी)। चेन्नई (ईएमएस)। टिम सिफर्ट के शानदार अर्धशतक से न्यूजीलैंड ने यहां टी20 विश्वकप क्रिकेट ग्रुप-डी पहले ही मैच में अफगानिस्तान को 5 विकेट से हरा दिया। इस मैच में टॉस जीत पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने 6 विकेट पर 182 रन बनाये थे। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को कीवी टीम ने 17.5 ओवर में ही हासिल कर लिया। इस मैच में कीवी टीम को जीत के लिए खास संघर्ष करना पड़ा। 183 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। दूसरे ही ओवर में मुजीब उर रहमान ने फिन ऐलन को 1 और रचिन रविंद्र को खाता खोले बिन ही लगातार गेंदों पर आउट कर टीम को दबाव में ल दिया। इसके सिफर्ट और फिलिप्स के बीच तीसर विकेट के लिए 74 रन की अहम साझेदारी से टीम संभली। इन दोनों ने दबाव में भी आक्रामक रुख अपनाया । फिलिप्स ने 25 गेंदों में 42 रन बनाए, जिसमें सात चौके और एक छक्का शामिल रहा। वहीं सिफर्ट ने 39 गेंदों

में अर्धशतक लगाया। उन्होंने 42 गेंदों में 65 रन की पारी खेली, जिसमें सात चौके और तीन छक्के शामिल थे। वह मोहम्मद नबी का शिकार बने। अंत में डैरिल मिचेल ने 14 गेंदों में 25 रन और कप्तान मिचेल सैंटनर ने 8 गेंद में 17 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगान टीम की ओर से बल्लेबाज़ गुलबदिन नायब ने अर्धशतक लगाया। जिससे अफगानिस्तान की टीम एक अच्छा स्कोर बनाने में सफल रही। इस मेच में कीवी बल्लेबाजों को अपने अनुसार खेलने का अवसर नहीं मिला। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करने उतरी अफगानिस्तान की टीम ने शुरुआत में ही दो विके खो दिये। सलामी बल्लेबाज़ रहमानुल्लाह गुरबाज़ ने 27 रन बनाये पर वह इसके बाद लॉकी फर्ग्युसन की धीमी गेंद पर पेवेलियन लौट गये। इसी ओवर में फर्ग्युसन ने इब्राहिम जादरान को अंतिम गेंद पर आउट कर दिया। जादरान ने 10 रन बनाये थे। इसके बाद गुलबदिन नायब ने 63 रन और सेदिकुल्लाह अटल ने 29 रन बनाकर पारी को आगे बढ़ाया। गुलबदिन ने 29 गेंदों में ही 50 रन बना दिये। अंतिम ओवरों में गुलबदिन ने 17 गेंदों में 33 रन बनाकर स्कोर को 150 के ऊपर पहुंचाया। बाद अजमतुल्लाह उमरजई ने 14 रन बनाकर फगानिस्तान को 180 रनों के उपर पहुंचाया ।न्यूजीलैंड की ओर से लॉकी फर्ग्युसन ने 40 रन देकर 2 विकेट लिए। न्यूजीलैंड के लिए लॉकी फर्ग्युसन ने दो विकेट जबकि मैट हेनरी, जेकब डफी और रचिन रविंद्र को एक-एक विकेट मिला।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पहली हैट्रिक रोमारियो शेपर्ड के नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज रोमारियो शेपर्ड ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में इतिहास रचते हुए टूर्नामेंट की पहली हैट्रिक अपने नाम कर ली। शनिवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए स्कॉटलैंड के खिलाफ मुकाबले में शेपर्ड ने 17वें ओवर में यह बड़ी उपलब्धि हासिल की। उनके इस शानदार स्पेल ने स्कॉटलैंड की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखेर दी और वेस्टइंडीज को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। रोमारियो शेपर्ड ने बतौर ऑलराउंडर मैच में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए न सिर्फ हैट्रिक ली, बल्कि कुल 5 विकेट झटके। 17वें ओवर में उन्होंने तीन लगातार गेंदों पर मैथ्यू क्रॉस, माइकल लीस्क और ओलिवर डेविडसन को पवेलियन भेजकर स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को रोमांचित कर दिया। खास बात यह रही कि इसी ओवर की आखिरी गेंद पर भी उन्होंने एक और विकेट लेकर स्कॉटलैंड पर दबाव को कई गुना बढ़ा दिया। उनके इस स्पेल ने मुकाबले का रुख वेस्टइंडीज की ओर मोड़ दिया, क्योंकि स्कॉटलैंड की टीम लगातार विकेट गंवाकर बड़े स्कोर की ओर बढ़ ही नहीं पाई। शेपर्ड की गेंदबाजी की लाइन और लेंथ इतनी सटीक रही कि स्कॉटलैंड के बल्लेबाज संभलने का कोई मौका ही नहीं पा सके। उनकी हैट्रिक ओवर न केवल तकनीकी रूप से बेहतरीन रहा, बल्कि मानसिक रूप से भी स्कॉटिश खिलाड़ियों पर भारी पड़ा। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में यह पहली हैट्रिक है और इस उपलब्धि के साथ शेपर्ड टूर्नामेंट के सबसे प्रभावशाली गेंदबाजों में शामिल हो गए हैं। अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनकी इस शानदार परफॉर्मेंस ने वेस्टइंडीज की गेंदबाजी इकाई का आत्मविश्वास भी बढ़ा दिया है। मैच के बाद क्रिकेट विशेषज्ञों ने भी शेपर्ड की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी गेंदबाजी ने वेस्टइंडीज को जीत की सबसे मजबूत राह पर ला खड़ा किया है।

सूर्यकुमार ने अमेरिक के खिलाफ मैच में सफलता का श्रेय गंभीर को दिया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम को अंडर-19 विश्वकप के पहले ही मुकाबले में कप्तानी पारी खेलकर जीत दिलाने वाले सूर्यकुमार यादव ने इसका श्रेय कोच गौतम गंभीर की एक सलाह को दिया है। सूर्या ने कहा कि एक समय जब आधी टीम 77 रनों पर पेवेलियन लौट गयी थी तब उनपर काफी अधिक दबाव था पर बेक्र के दौरान कोच कोच ने उनसे अंत तक टिके रहने को कहा था। कोच का मानना था कि अगर वह अंत तक खेलेंगे तो रन बन जाएंगे। सूर्यकुमार ने इस मैच में 49 गेंदों में 10 चौके और 4 छक्के लगाकर नाबाद 84 रन बनाए। इससे भारतीय टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 161 रन बनाकर 29 रन से जीत हासिल की। सूर्यकुमार ने बताया कि गंभीर ने उनसे कहा था कि वह अंत तक तक बल्लेबाजी करें क्योंकि वह जमने के बाद बड़े शॉट लगा सकते हैं। सूर्यकुमार ने कहा, मुझे बल्लेबाज के समय अंदाजा हो गय था कि इस विकेट पर 140 रन ही काफी हैं। मुझे इस प्रकार के विकेटों पर खेलने आ अनुभव है। इसलिए मेरा मानना था कि मैं यहां बड़ी पारी खेल सकता हूं। सूर्यकुमार छठे ओवर में बल्लेबाजी करने आए थे और शुरुआत में उन्होंने धीमी बल्लेबाजी करते हुए केवल 7 रन बनाये। बाद में उन्होंने तेजी से खेलते हुए कमी पूरी कर दी। सूर्यकुमार ने 36 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। अंतिम ओवर में उन्हों चौके, छक्के लगाकर टीम को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचा दिया।

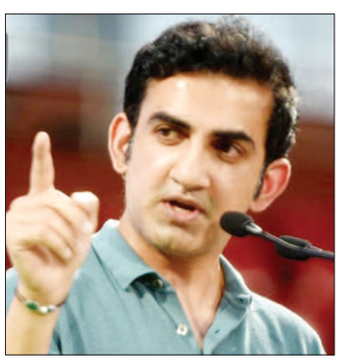

लवलीना और अरुंधति की अगुवाई में भारत ने 9 गोल्ड जीते

ला नुसिया (एजेंसी)। भारत ने आखिरी दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 को बहुत सफल तरीके से खत्म किया, जिसमें ओलंपिक मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन और पूर्व यूथ वर्ल्ड चैंपियन अरुंधति चौधरी ने ला नुसिया, एलिकांटे में शानदार फिनिश करते हुए नौ गोल्ड मेडल जीते। एक खास उपलब्धि यह रही कि शनिवार को भारत ने सात एलीट विमेंस फाइनल में हिस्सा लिया - जिसमें 54किग्रा डिवीजन में एक ऑल-इंडियन टाइटल क्लैश भी शामिल था - और हर एक में गोल्ड मेडल जीता।

ला नुसिया, एलिकांटे में हुए बॉक्सम एलीट 2026 में 20 देशों के 200 से ज़्यादा बॉक्सर्स ने हिस्सा लिया, जिससे सीजन की शुरुआत में ही एक हाई-क्वालिटी इंटरनेशनल टेस्ट मिला। भारत नौ गोल्ड, तीन सिल्वर और सात ब्रॉन्ज मेडल के साथ कॉम्पिटिशन का सबसे सफल देश रहा। बीएफआई के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, 'बॉक्सम एलीट ने ठीक वैसा ही मौका दिया जैसा हम सीजन के इस स्टेज पर ढूंढ रहे थे, जिसमें मजबूत इंटरनेशनल मुकाबले, अलग-अलग वेट कैटेगरी में गहराई और हाई-प्रेशर वाले मुकाबले शामिल थे। स्पेन में परफॉर्मेंस, खासकर फाइनल में कन्वर्ज़न रेट, हमारे प्रोग्राम की प्रोग्रेस को दिखाता है। आने वाला साल मुश्किल होने के साथ, यह टूर्नामेंट हमारे बॉक्सर्स को आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार करने में एक अहम कदम रहा है। पूरे दल को शानदार कैंपेन के लिए बधाई।'

भारत की महिलाओं ने आखिरी दिन बेंचमार्क सेट किया। मंजू रानी (48किग्रा) और नीतू (51) ने स्पेन की माटर लोपेज़ और नोएलिया गुटिरेज़ पर एकमत से ज़बरदस्त जीत के साथ शुरुआत की, इससे पहले पूनम (54) ने कड़े मुकाबले वाले ऑल-इंडियन फाइनल में हमवतन प्रीति को हराया। प्रिया (60) और अरुंधति (70) ने यूक्रेनी विरोधियों पर 5-0 से शानदार जीत हासिल की, जबकि लवलीना (75) ने अपना खास कंट्रोल और संयम दिखाते हुए इंग्लैंड की मैरी-केट स्मिथ को 4:1 से हराया। नैना (80) ने यूक्रेन की रईसा पिस्कुन पर आसान जीत के साथ स्वीप पूरा किया।

महिलाओं के प्रदर्शन पर बात करते हुए, भारतीय महिला टीम के हेड कोच सैंटियागो नीवा ने कहा, 'यह महिलाओं का शानदार प्रदर्शन था, सिर्फ़ मेडल के मामले में ही नहीं, बल्कि जिस तरह से उन्होंने अनुशासन, स्पष्टता और आत्मविश्वास के साथ बॉक्सिंग की। सात फाइनल में पहुँचना और सभी सातों जीतना पूरे सिस्टम में किए जा रहे काम के बारे में बहुत कुछ बताता है। इसका क्रेडिट पूरी भारतीय टीम को भी जाता है, पुरुषों और महिलाओं ने पूरे टूर्नामेंट में एक-दूसरे को आगे बढ़ाया, और यह सामूहिक माहौल लगातार सफलता की कुंजी है।'

पुरुषों के फाइनल में सचिन (60) ने दिन के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक में कनाडा

के केओमा-अली अल अहमदीह को 3-2 से हराया, जबकि आकाश (75) ने कज़ाकिस्तान के अमन कोंसबेकोव पर 3-2 से रोमांचक जीत के बाद एक और गोल्ड मेडल जीता। दीपक (70) और अंकुश (80) को क्रमशः कज़ाकिस्तान और यूक्रेन से कड़ी टक्कर मिलने के बाद सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा।

लंबे वर्किंग आवर्स पर अर्जुन बिजलानी का खुलासा

टीवी की दुनिया बाहर से जितनी चमकदार और रंगीन दिखाई देती है, अंदर से उतनी ही दबाव से भरी होती है। दर्शक रोज अपने पसंदीदा कलाकारों को टीवी स्क्रीन पर देखते हैं, लेकिन उनकी मेहनत, थकान और मानसिक तनाव से अनजान रहते हैं। घंटों शूटिंग, लगातार काम का दबाव और निजी जीवन के लिए कम समय, ये सब टीवी कलाकारों की रोजमर्रा जिंदगी का हिस्सा है। इसी मुद्दे पर छोटे पर्दे के जाने-माने अभिनेता अर्जुन बिजलानी ने बताया कि टीवी इंडस्ट्री में काम करना कितना कठिन होता है। अर्जुन बिजलानी ने टीवी इंडस्ट्री के लंबे वर्किंग आवर्स को बेहद मुश्किल बताया। उन्होंने कहा, 'कागज पर भले ही 12 घंटे की शिफ्ट लिखी जाती हो, लेकिन असल में कलाकारों का पूरा दिन काम में ही निकल जाता है। शूटिंग के अलावा सेट तक आने-जाने का समय, मेकअप, और कई बार ओवरटाइम भी इसमें जुड़ जाता है, जिससे काम के घंटे और बढ़ जाते हैं।'

अर्जुन ने उदाहरण देते हुए कहा, ''अगर किसी कलाकार की शूटिंग सुबह 9 बजे से शुरू होती है, तो उसे सुबह 7 बजे उठना पड़ता है। 8 बजे तक घर से निकलना जरूरी होता है ताकि समय पर सेट पहुंचा जा सके। खासकर महिला कलाकारों को कई बार और भी जल्दी बुलाया जाता है, क्योंकि उन्हें मेकअप और तैयार होने में ज्यादा समय लगता है। इस वजह से उनका दिन और भी लंबा हो जाता है।'' उन्होंने कहा, ''शूटिंग अक्सर रात 9 बजे तक चलती है और कई बार इससे भी देर हो जाती है। शूट खत्म होने के बाद भी कलाकारों को मेकअप उतारने और कपड़े बदलने में समय लगता है। इसके बाद ट्रैफिक में घर लौटना एक अलग चुनौती होती है। कई बार कलाकार रात के काफी देर से घर पहुंचते हैं, जब शरीर पूरी तरह थक चुका होता है।''

जब उनसे पूछा कि क्या टीवी इंडस्ट्री में 8 घंटे की शिफ्ट होनी चाहिए, तो अर्जुन बिजलानी ने कहा, ''तकनीकी रूप से यह संभव नहीं है। जब कोई शो हफ्ते में सातों दिन टेलीकास्ट होता है, तो इतने कम समय में काम पूरा करना मुश्किल हो जाता है।'' अर्जुन ने कहा, ''अगर काम के घंटे घटाकर 8 कर दिए जाएं, तो शो की गुणवत्ता पर असर पड़ सकता है। दर्शकों तक अच्छी क्वालिटी का कंटेंट पहुंचाने के लिए कलाकारों और पूरी टीम को 12 घंटे तक काम करना पड़ता है। काम और सेहत के बीच संतुलन बनाना बेहद जरूरी है।''

पर्दे पर 'हाउसवाइफ' का किरदार निभाएंगी आलिया भट्ट

राजकुमार राव के साथ बनेगी जोड़ी!

आलिया भट्ट बीते कुछ समय से बड़े पर्दे पर नजर नहीं आईं हैं। उनकी आखिरी रिलीज फिल्म 'जिगरा' थी, जो अक्तूबर 2024 में रिलीज हुई थी। पूरे 2025 में आलिया की एक भी फिल्म रिलीज नहीं हुई। इस बीच अब आलिया भट्ट की आगामी फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आ रही है। इस फिल्म का निर्देशन अभिषेक पाठक कर सकते हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, आलिया भट्ट आगामी फिल्म 'हाउसवाइफ' में लीड रोल में नजर आ सकती हैं। इस फिल्म का निर्देशन अभिषेक पाठक करेंगे, जिन्होंने इससे पहले 'दृश्यम 2' जैसी हिट फिल्म बनाई थी। अगर आलिया इस फिल्म में काम करती हैं, तो वे एक शादीशुदा महिला का किरदार निभाएंगी। कहानी घर-परिवार से जुड़े मुद्दों पर आधारित होगी। यह पहली बार होगा जब आलिया इस तरह के किरदार में नजर आएंगी।

मेल लीड निभाएंगे राजकुमार!

रिपोर्ट के मुताबिक, आलिया के साथ इस फिल्म में राजकुमार राव प्रमुख भूमिका में नजर आ सकते हैं। हालांकि, अभी कुछ फाइनल नहीं हुआ है। अगर ऐसा होता है तो आलिया और राजकुमार पहली बार बड़े पर्दे पर साथ नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग अगस्त या सितंबर 2026 में शुरू होने की उम्मीद है। अभिषेक पाठक 'दृश्यम 3' की शूटिंग पूरी करने के बाद इस फिल्म को शुरू कर सकते हैं।

आलिया-राजकुमार के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

आलिया भट्ट आखिरी बार 'जिगरा' में नजर आई थीं। उनकी आगामी फिल्मों में यशराज के स्पाई-यूनिवर्स की एक्शन फिल्म 'अल्फा' है। इसमें उनके साथ में शरवरी वाघ और बॉबी देओल प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा, वो संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' में पति रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ काम कर रही हैं। वहीं, राजकुमार राव जल्द ही नेटफ्लिक्स की कॉमेडी फिल्म 'टोस्टर' में दिखाई देंगे। साथ ही वो एक बायोपिक ड्रामा में नजर आएंगे। जिसमें वे पब्लिक प्रॉसिक्यूटर उज्ज्वल निकम का किरदार निभाएंगे।

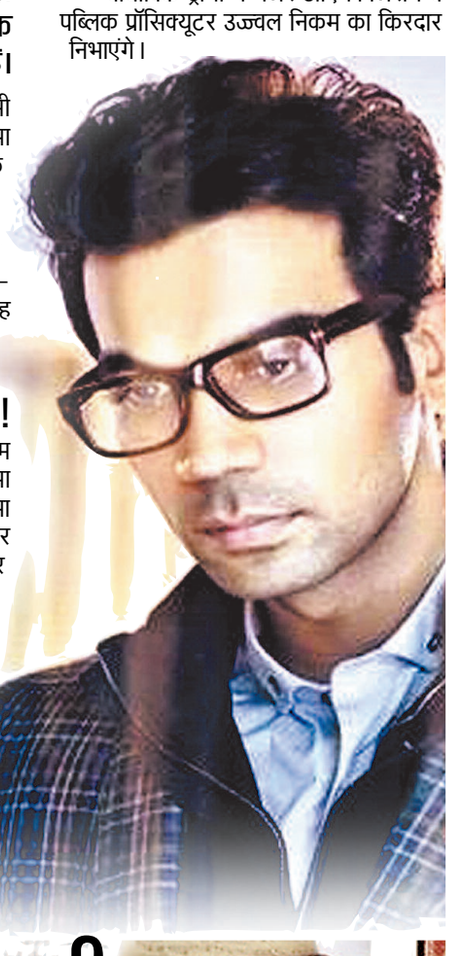

वीर दास ने कंगना को बताया 'पीढ़ी में एक बार आने वाली एक्ट्रेस'

बालीवुड एक्टर और कॉमेडियन वीर दास अपनी कॉमिक टाइमिंग के लिए जाने जाते हैं। वे 'लव आज कल', 'बदमाश कंपनी', 'देली बेली' जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं। उन्होंने कंगना रनौत के साथ भी 'रिवॉल्वर रानी' फिल्म में काम किया है। हाल ही में वीरदास ने एक इंटरव्यू में कंगना के साथ किए काम का अनुभव शेयर किया। फिल्म 'रिवॉल्वर रानी' से अपनी और कंगना की एक तस्वीर पर रिएक्ट करते हुए वीर दास ने उनके साथ काम करने के अनुभव शेयर किया। वीर दास ने साथ बातचीत में कहा, 'इस फिल्म में हम दोनों ज्यादातर समय एक-दूसरे से लड़ते नजर आते हैं। यह एक डार्क और थोड़ी अलग तरह की ब्लैक कॉमेडी है। कंगना एक ऐसी एक्ट्रेस हैं, जो पीढ़ियों में एक बार पैदा होती हैं। उनके साथ काम करके मुझे बहुत मजा आया।

फिल्म 'रिवॉल्वर रानी' के बारे में

फिल्म 'रिवॉल्वर रानी' में कंगना रनौत ने रिवॉल्वर रानी का लीड किरदार निभाया है। वहीं वीर दास ने रोहन मेहरा का रोल किया, जो एक उभरते हुए बॉलीवुड अभिनेता हैं और जिनसे कंगना का किरदार प्यार करने लगता है। कहानी में कुछ लोग रोहन को अगवा कर लेते हैं। इसके बाद उन्हें मारने का प्लान बनाते हैं। तब कंगना बंदूक उठाकर दुश्मनों से भिड़ जाती हैं और उनकी जान बचाती हैं। इस फिल्म का निर्देशन साई कबीर श्रीवास्तव ने किया था। फिल्म में पीयूष मिश्रा, जकिर हुसैन और जेशान कादरी भी अहम रोल में नजर आए थे।

वीर दास के हालिया प्रोजेक्ट्स

वीर दास हाल ही में फिल्म 'हैप्पी पटेल- खतरनाक जासूस' में नजर आए थे। यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस में बनी थी। इसमें मिथिला पालकर और मोना सिंह भी अहम किरदारों में थीं। वहीं इमरान खान और आमिर खान ने भी इस फिल्म में खास कैमियो किया था। इस फिल्म को क्रिटिक्स से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। अब वीर दास कॉमेडी वर्ल्ड टूर 'हे स्ट्रेंजर' करने वाले हैं। यह टूर 27 फरवरी से शिकागो में शुरू होगा और 23 मई को मलेशिया में खत्म होगा।

सात साल बाद अभिनय में वापसी पर क्या बोलीं रिया चक्रवर्ती?

एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती अपकमिंग सीरीज 'फैमिली बिजनेस' से स्क्रीन पर सात साल बाद वापसी कर रही हैं। इस प्रोजेक्ट के एलान के बाद एक्ट्रेस ने एक पोस्ट शेयर की है। इसमें उन्होंने अपने काम पर लौटने के लंबे सफर के बारे में बताया। उन्होंने पर्दे पर वापसी के लिए आभार जताया है।

एक्टिंग में दोबारा आने पर बोली रिया?

हाल ही में रिया ने इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह तैयार हो रही हैं। एक्टिंग में दोबारा वापसी करने पर उन्होंने कहा कि उन्होंने आखिरी बार 2019 में 'चेहरे' के लिए शूटिंग की थी। रिया ने कहा, '7 साल। यह सच में बहुत अजीब है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं फिर से एक्टिंग करूंगी। यह अविश्वसनीय है क्योंकि यह एक सपने जैसा है। जब मैं 17 साल की थी, तब यह मेरा सपना था। फिर वह सब हुआ। इसके बाद मुझे काम मिलना बंद हो गया। फिर मैं वापस आ गई। हालांकि अब मैं बहुत बदल गई हूं। अब मेरा एक अलग करियर है। अब कई मायनों में यह मायने नहीं रखता। कई मायनों में यह अभी भी पहले से कहीं ज्यादा मायने रखता है।'

कौन सा सपना लेकर आई थीं रिया?

पोस्ट के कैप्शन में रिया ने लिखा 'सेट पर गए हुए 7 साल हो गए हैं। हालांकि मैं आज भी वही लड़की हूं जो 17 साल की उम्र में एक्ट्रेस बनने का सपना लेकर मुंबई आई थी। मेरा एक हिस्सा आगे बढ़ गया, लेकिन एक हिस्सा वहीं रुका रहा और इंतजार करता रहा।

'फैमिली बिजनेस' की स्टारकास्ट

सीरीज 'फैमिली बिजनेस' में रिया के अलावा विजय वर्मा, अनिल कपूर, ध्रुव सहगल, नेहा धूपिया, राइमा सेन, आकाश खुराना, अपरा मेहता, नंदीश संधू, अनंत नाग, रोहन विनोद मेहरा, टीना देसाई, कंवलजीत सिंह, मधु और इनायत सूद प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

हमारा रिश्ता सिर्फ आपसी सम्मान और प्रोफेशनल है

इन दिनों अभिनेत्री मृणाल ठाकुर अपनी फिल्मों से लेकर पर्सनल लाइफ तक को लेकर लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। पिछले कुछ वक्त से उनका नाम अभिनेता धनुष के साथ जोड़ा जा रहा है। यही नहीं यहां तक कहा जा रहा है कि मृणाल और धनुष वैलेंटाइन डे के मौके पर 14 फरवरी को शादी करने वाले हैं। अब धनुष के साथ शादी की खबरों पर मृणाल ठाकुर की ओर से प्रतिक्रिया आई है।

सोशल मीडिया पर मृणाल ठाकुर का एक लंबा-चौड़ा स्टेटमेंट वायरल हो रहा है। इसको अभिनेत्री के फैन पेज पर शेयर किया गया, इसके बाद ये वायरल है। इस स्टेटमेंट में मृणाल ठाकुर के हवाले से कहा गया है, 'मैंने हमेशा यही माना है कि मेरा काम मेरी पहचान बने, न कि गपशप। फिर भी आज मैं खुद को ऐसी कहानियों से जुड़ा हुआ पाती हूं जो मैंने कभी नहीं लिखीं, ऐसी बातचीत जो मैंने कभी नहीं कीं और ऐसे फैसले जो मैंने कभी नहीं लिए। हाल ही में, एक तथाकथित शादी को लेकर कंट्रोवर्सी चर्चा में है। मैं यह स्पष्ट कर देना चाहती हूं कि धनुष हमेशा से मेरे लिए भाई समान रहे हैं। हमारा रिश्ता सिर्फ आपसी सम्मान और प्रोफेशनल है। इससे ज्यादा कुछ नहीं। फिर भी मुझे आश्चर्य होता है कि लोग किसी महिला के निजी जीवन के बारे में कहानियां गढ़ने के लिए इतने उत्सुक क्यों रहते हैं, बजाय इसके कि उसके जीवन के सफर को समझें।'

अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं

अभिनेत्री की ओर से इस स्टेटमेंट में आगे कहा गया, 'मैं चुप रहना इसलिए नहीं चुनती क्योंकि मुझे कुछ छिपाना है। बल्कि इसलिए कि मेरा मानना है कि मेरे निजी जीवन को सार्वजनिक मंजूरी की जरूरत नहीं है। मैंने ऑडिशन, अस्वीकृति, लंबी रातों और अटूट आत्मविश्वास के दम पर आज इस मुकाम तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की है। उस सफर को अफवाह तक सीमित करना गलत है। सोशल मीडिया हर किसी को अपनी बात कहने का मौका देता है, लेकिन यह जिम्मेदारी भी मांगता है। कुछ क्लिक, लाइक और शेयर भले ही नुकसान न पहुंचाएं, लेकिन वे ऐसी कहानियां गढ़ते हैं जो असल लोगों को प्रभावित करती हैं। मैं स्पष्ट कर देना चाहती हूं, इन अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है।' सोशल मीडिया पर वायरल मृणाल ठाकुर का ये स्टेटमेंट उनके किसी ऑफिशियल पेज पर नहीं है। न तो इंस्टाग्राम पर मौजूद है और न ही एक्स पर। यही नहीं इस बयान को लेकर मृणाल ठाकुर की टीम की ओर से भी ये स्पष्ट किया गया कि अभिनेत्री ने ऐसा कोई स्टेटमेंट नहीं दिया है। ये पूरी तरह से फेक है। जिससे ये स्पष्ट होता है कि धनुष को भाई बताने वाला मृणाल का ये बयान असली नहीं है, बल्कि सिर्फ फेक है। ये बयान मृणाल या उनकी टीम की ओर से नहीं दिया गया है।

शादी की खबरों को खारिज कर चुकी हैं मृणाल

हालांकि, मृणाल ठाकुर 14 फरवरी को अपनी शादी की खबरों को कई बार खारिज कर चुकी हैं। वो कई बार इन खबरों को सिर्फ अफवाह बता चुकी हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में भी जब मृणाल से धनुष के साथ शादी की खबरों को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि अरे मुझे तो इनवाइट ही नहीं किया गया। एक्ट्रेस ने कहा कि सोशल मीडिया पर वेडिंग डेट भी आ गई है। वो कहती हैं कि आ गई? मुझे किसी ने इनवाइट ही नहीं किया। मुझे भी बुला लेते।

'दो दीवाने सहर में' में नजर आएंगी मृणाल

वर्कफ्रंट की बात करें तो मृणाल ठाकुर जल्द ही आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ सिद्धांत चतुर्वेदी प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगे। यह फिल्म 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा मृणाल की पाइपलाइन में 'डकैत' भी है, इसमें उनके साथ आदिवी शेष प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।